राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 वर्ष-9,अंक-75 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

महिला आरक्षण संशोधन ड्राफ्ट को केंद्र की मंजूरी

इसी महीने पारित होने की संभावना

● पीएम बोले- यह भारत की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों की झलक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जिसमें इस संशोधन बिल को पारित किए जाने की संभावना है। संसद

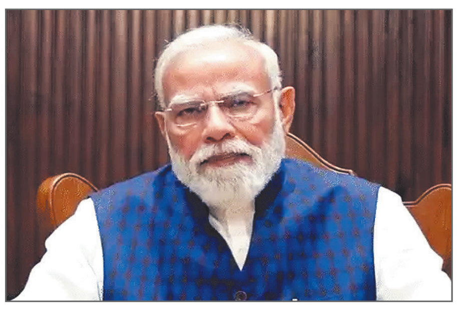

से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा, और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

प्रस्ताव के मुताबिक आरक्षण 'वर्टिकल' आधार पर लागू होगा, यानी अनुसूचित जाति और जनजाति की आरक्षित सीटों में भी महिलाओं के लिए हिस्सा तय किया जाएगा। इस बिल को लेकर पीएम मोदी ने अपनी वेबसाइट पर एक आर्टिकल पब्लिश किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि महिला रिजर्वेशन एक्ट में प्रस्तावित बदलाव सिर्फ एक कानूनी काम नहीं, बल्कि यह पूरे भारत की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों की झलक है।

बिना ड्राइवर के दौड़ेगी जयपुर मेट्रो

4 चरणों में बनेगा फेज-2 कॉरिडोर

जयपुर (एजेंसी)। पिंकसिटी की रफ्तार को नया पंख मिलने वाला है। केंद्र सरकार की ओर से जयपुर मेट्रो फेज-2 के लिए 42.80 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर को मंजूरी मिलने के साथ ही शहर के यातायात परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। 3,037.66 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत वाले इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि जयपुर की यह नई मेट्रो 'ड्राइवरलेस' होगी। **चार चरणों में होगा निर्माण: सबसे पहले 12 किमी की लाइन-** राजस्थान मेट्रो रेल

कॉर्पोरेशन ने इस मेगा प्रोजेक्ट को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए इसे चार चरणों में बांटने का निर्णय लिया है। प्रथम चरण- सबसे पहले टोंक रोड पर प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक करीब 12 किलोमीटर का रूट तैयार किया जाएगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया वर्तमान में विचाराधीन है। अन्य चरण- दूसरे चरण में सीकर रोड (टोडी मोड़) से अंबाबाड़ी तक और फिर शहर के बीच वाले इलाकों में काम शुरू होगा। पूरे प्रोजेक्ट को आगामी 5 साल (2031 डेडलाइन) में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सीबीटीसी सिस्टम से संचालित होगी ट्रेन- जयपुर की मेट्रो-2 अत्याधुनिक सीबीटीसी प्रणाली से लैस होगी। यह तकनीक ट्रेन को बिना मानवीय हस्तक्षेप के सुरक्षित दूरी बनाए रखने और सटीक स्टेशन स्टॉपिंग की सुविधा देती है।

भारत से पहली क्रॉस-बॉर्डर रोबोटिक सर्जरी

मुंबई की कोकिलाबेन अस्पताल ने मस्कट में महिला की किडनी का ऑपरेशन किया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ने वर्ल्ड हेल्थ डे 2026 पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के डॉ. टी. बी. युवराजा ने मुंबई में बैठकर ओमान के मस्कट के मेडिकल सिटी अस्पताल में 55 साल की महिला का रोबोटिक किडनी ऑपरेशन किया। यह क्रॉस-बॉर्डर रिमोट रोबोटिक सर्जरी भारत से पहली बार मानी जा रही है।

यह सर्जरी एडवांस्ड 'मेडबॉट ट्युमाई' रोबोटिक सिस्टम और रियल-टाइम कनेक्टिविटी के जरिए की गई। डॉक्टर ने दूर बैठकर पूरे ऑपरेशन को कंट्रोल किया और सफलतापूर्वक सर्जरी पूरी की।डॉ. टी. बी. युवराजा ने मेडबॉट ट्युमाई के जरिए मुंबई से मस्कट में महिला की किडनी की सर्जरी की। कोकिलाबेन अस्पताल में यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. टी. बी. युवराजा ने कहा कि यह हेल्थकेयर में बड़ा बदलाव है। उनके मुताबिक अब मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे देश जाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि डॉक्टर ही तकनीक के जरिए मरीज तक पहुंच सकेंगे।

उन्होंने बताया कि उनके पास 4200 से ज्यादा रोबोटिक सर्जरी का अनुभव है और यह उपलब्धि सिर्फ एक सफल ऑपरेशन नहीं, बल्कि भविष्य की हेल्थकेयर व्यवस्था का संकेत है। इससे दुनिया भर में इलाज की पहुंच आसान हो सकती है।

अस्पताल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और CEO डॉ. संतोष शेट्टी ने कहा कि यह उपलब्धि अस्पताल की तकनीकी क्षमता और पहले किए गए रिमोट ऑपरेशन के अनुभव पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस बार भारत की क्लिनिकल क्षमता को मस्कट के कैंसर मरीज तक पहुंचाया गया।

अस्पताल के मुताबिक, यह सर्जरी सभी जरूरी नियमों के तहत की गई। इसमें सीडीएससीओ की गाइडलाइंस का पालन किया गया, ताकि सुरक्षा, नैतिकता और क्लिनिकल स्टैंडर्ड बनाए रखें।

● सबरीमाला केस की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट में सरकार बोली

कई मंदिरों में प्रसाद के रूप में शराब दी जाती है, कोर्ट यह नहीं कह सकता वहां शराब मत दो

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान भारत के मंदिरों में रीति-रिवाजों का जिक्र किया। एएसजी नटराज ने कहा, दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती है। कल को आप इस पर यह आपत्ति नहीं उठा सकते कि मदिरा न दी जाए।

एक उदाहरण देता हूं, कई मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, और अगर कोई व्यक्ति अपनी पसंद या अंतरात्मा की आवाज पर कहता है कि वह मांसाहारी भोजन करना चाहता है, तो वह किसी खास संप्रदाय के पास जाकर यह नहीं कह सकता कि मेरा यह अधिकार है और मुझे यही परोसा जाना चाहिए। उसे उन श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है।सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की बुधवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई कर रही है। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन- धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4-1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान बेंच 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

सीजेआई बोले- हर सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता- वैद्यनाथन - अनुच्छेद 32 (फंडामेंटल राइट्स की सुरक्षा) के तहत हर धार्मिक समूह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कोर्ट जा सकता है।अगर सरकार सामाजिक सुधार के लिए कोई कानून बनाती है और उसका असर धार्मिक प्रथाओं पर पड़ता है। तो उसका असर अनुच्छेद 26 (धार्मिक संस्थाओं के अधिकार) पर भी पड़ सकता है। यानी यह कहना सही नहीं है कि अनुच्छेद 26 पर कभी असर ही नहीं पड़ेगा। इस सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता। असल में यह हर केस के हिसाब से तय होगा।

बारामती में उपचुनाव नहीं लड़ेगी कांग्रेस

अजित पवार को श्रद्धांजलि के तौर पर लिया बड़ा फैसला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा मोड़ आया है। कांग्रेस ने एलान किया है कि वह इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। यह फैसला पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद सम्मान जताने के तौर पर लिया गया है।

इस निर्णय के बाद अब बारामती सीट पर चुनाव का माहौल पूरी तरह बदल गया है ।दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नाथाला ने साफ कहा कि पार्टी ने अपने उम्मीदवार को मैदान से हटाने का निर्देश दे दिया है।

कांग्रेस के उम्मीदवार आकाश मोरे ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन अब उसे वापस लिया जाएगा। नामांकन वापस लेने का आज आखिरी दिन था, इसलिए यह फैसला अहम माना जा रहा है।

कांग्रेस ने कहा कि यह उपचुनाव अजित पवार के दुखद निधन के कारण हो रहा है, इसलिए पार्टी ने सम्मान के तौर पर चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया।

● बंगाल में पीएम मोदी ने बीरभूम में भी फूंका बदलाव का बिगुल, कहा-

टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आज लगातार तीन रैली कर रहे हैं। पहले पीएम मोदी ने हल्दिया की रैली संबोधित किया था। वहां उन्होंने जनता को विकास की गारंटी दी, जबकि आसनसोल में टीएमसी के 'पापों' का हिसाब लेने की चेतावनी दी। वहीं, बीरभूम की रैली में भी उन्होंने टीएमसी पर बड़ा हमला बोला। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बीरभूम की ऐतिहासिक धरती ने संथाल क्रांति को ऊर्जा दी थी।

आज उसी बीरभूम में परिवर्तन की आंधी नजर आ रही है। मेरे सामने ये विशाल जनसागर परिवर्तन की घोषणा कर रहा है। साथियों, रबींद्र नाथ टेगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे। हर कोई भयमुक्त हो, लेकिन टीएमसी के गुंडाराज ने एकदम उल्टा कर दिया। ये हमेशा मां, माटी और मानुष की बात करते थें।

घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी दस्तावेज दिलाने में मदद कर रहा है। उनके मुताबिक यह सिर्फ राज्य नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है।

अस्पताल की गलती से 3 मासूम बच्चों के सिर से उठ गया मां का साया, परिवार में मातम का माहौल

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा जिले से एक बेहद दुखद मामला सामने आया है, जहां एक साधारण ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

जिले के मेहरमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नैना देवी नाम की एक ग्रामीण महिला बंध्याकरण (ऑपरेशन) कराने गई थीं। यह फैसला उन्होंने अपने परिवार की भलाई के लिए लिया था, लेकिन यह उनके जीवन का आखिरी कदम साबित हुआ। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों से बड़ी गलती हो गई। उनका कहना है कि सर्जरी के समय शरीर की एक महत्वपूर्ण नस कट गई, जिससे नैना देवी की हालत लगातार बिगड़ती गई।

जब उनकी तबीयत ज्यादा खराब हुई, तो उन्हें पहले मेहरमा के एक निजी क्लिनिक में ले जाया गया, लेकिन वहां भी कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उन्हें भागलपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

असम, केरलम और पुडुचेरी में मतदान हुआ

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी (एजेंसी)। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। कुल 296 सीटों पर मतदान हो रहा है। दोपहर 3 बजे तक असम में 75.91 प्रतिशत, केरलम में 62.71 प्रतिशत और पुडुचेरी में 72.40 प्रतिशत वोटिंग हुई थी

पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक मोटरसाइकिल से पहुंचे।केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर ए.के. एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। उन्होंने मीडिया से कहा- केरलम के लोग भाजपा को पसंद नहीं करते। राज्य में 10 साल के कुशासन की सरकार है। इसलिए इस बार सरकार बदलेगी।

पांडुचेरी में कांग्रेस-भाजपा समर्थक भिड़े

वहीं, असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की है। इसके बाद दोपहर में पत्नी के साथ जालुकवारी में वोट डाला।असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। पुडुचेरी में 20 पार्टियां के 294 कैंडिडेट अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। तीनों राज्यों में करीब 10 लाख से ज्यादा वोटर्स पहली बार मतदान करेंगे।केरलम में 70 साल में पहली बार कोई सीएम हैट्रिक के लिए चुनाव लड़ रहा है। असम में बीजेपी हिमंता बिस्व सरमा के सहारे लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दांव खेल रही है।

ईरान-अमेरिका युद्धविराम पर संकट

● ट्रंप ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ीं, अब बातचीत का कोई मतलब नहीं : ईरान

ट्रम्प बोले- समझौते तक ईरान के आसपास आर्मी तैनात रहेगी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान ने कहा कलेबनान में हमले जारी रहते हुए सीजफायर की बात मंजूर नहीं है।

ईरान ने साफ कहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है। ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है।वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी।ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर चेतावनी दी कि अगर समझौते का पालन नहीं हुआ, तो फिर से गोलीबारी शुरू होगी, जो पहले से ज्यादा बड़ी, ताकतवर और विनाशकारी होगी। हालांकि उन्होंने कहा

कि इसकी संभावना बेहद कम है, लेकिन अमेरिका पूरी तरह तैयार है।

लेबनान में इजराइली हमलों से एक दिन में 254 मौतें

इजराइली सेना ने लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है।

लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है: इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है। वहीं, मध्यस्थ पाकिस्तान का कहना है कि इस सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि लेबनान इस समझौते से अलग है और इसका हिस्सा नहीं है।

ईरान होर्मुज से गुजरने वाले टैंकरों पर 1 डॉलर प्रति बैरल टोल लगाया- ईरान होर्मजु स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल के जहाजों से हर बैरल पर 1 डॉलर टैक्स लेने की योजना बना रहा है। ईरान यह भुगतान क्रिप्टोकरेंसी में चाहता है। यह खबर फाइनेंशियल टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से दी है।

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड, फंसे 135 टूरिस्ट को सेना ने बचाया

● राजस्थान में अप्रैल में सर्दी, उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फ गिरी, देश के 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट

लखनऊ/शिमला/देहरादून/भोपाल (एजेंसी)। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है।

उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है।मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

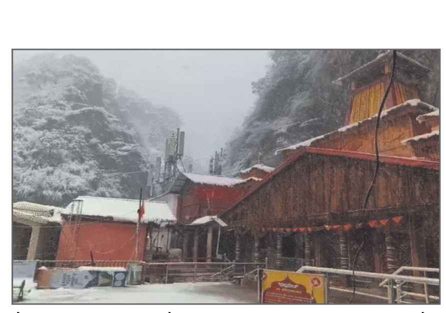

है। बिहार में काल बैसाखी सिस्टम एक्टिव हो गया है। काल बैसाखी अचानक आने वाला तेज आंधी-तूफान होता है। यह अप्रैल-मई (वैशाख) में आता है। इसके एक्टिव होने पर 50-100 किमी की रफ्तार से हवाएं चलती हैं, बारिश और ओले गिरते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला आरक्षण से कानून- निर्माण में भागीदारी - लोकतंत्र का शुभसंदेश

(लेखक- ब्रजमोहन श्रीवास्तव)

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन राष्ट्रीय क़ानून निर्माण में उनकी भागीदारी नगण्य रही है। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, उन्हें विधानसभा और लोकसभा में अवसर तो मिले, परंतु उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक कानून-निर्माण के मंच पर उनकी उपस्थिति राजनैतिक परिस्थितियों और दलों की प्राथमिकताओं व नेताओं की मेहरबानी पर निर्भर रही।

तीन दशकों से अधिक समय के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं आया बल्कि महिलाओं द्वारा परिणाम की चिंता किये वगैर निरंतर प्रयासों और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका की छाप छोड़ने का परिणाम है। महिला आरक्षण संविधान-106वां संशोधन अधिनियम, 2023 के पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं

रहेगा, बल्कि वे राष्ट्र के नीति-निर्माण व क़ानून बनाने में बराबरी से भागीदार होंगी ।

यह ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। श्री मोदीजी का मानना है कि आरक्षण देने में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है इसलिए इसे अब और नहीं टाल सकते । हालांकि, इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है इसलिए यह 2029 के आम चुनावों में भी लागू हो सकता है।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है।

महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों की यात्रा के यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीस वर्ष लगे है। 1992-93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगरीय निकायों में 33% आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं की भागीदारी का मार्ग कानूनी रूप से प्रशस्त हुआ। इसके बाद कई राज्यों ने इसे 50% तक बढ़ाया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50% महिला आरक्षण लागू है फलस्वरूप आज महिलाएँ अध्यक्ष, महापौर तथा पार्षद या नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व दे रही हैं।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है।

यह स्पष्ट है कि पिछले 30 वर्षों में महिलाओं का नेतृत्व क्रमिक रूप से विकसित हुआ है। इसी क्रमिक मजबूत आधार के कारण 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करना पड़ा, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है । यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है जिससे कुल आबादी का 50 प्रतिशत जो अभी तक मतदान तक सीमित था आने वाले समय में क़ानून निर्माता की श्रेणी में आ जाएगा।

दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखते हुए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना किसी राजनैतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का नैतिक दायित्व है जिसे पूरा करने के लिये एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ रही है फिर विपक्ष चाहे कैसी भी पैंतरेबाज़ी करें ।

पिछले वर्षों में अधिकांश नीतियाँ पुरुष-प्रधान दृष्टिकोण से बनीं, उदाहरणार्थ, जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिये निर्माण की अनदेखी हुई। स्थानीय निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया क्योंकि यह उनकी भी ज़रूरत से जुड़ा था।

यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि जब नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो निर्णय अधिक संवेदनशील, समावेशी और व्यावहारिक होते हैं जिसमें सारी जनता की ज़रूरतों का समावेश होता है।

महिला आरक्षण कानून की आलोचना करने वालों को इसे संकीर्ण राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए क्योंकि यह भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। आँकड़े बताते हैं कि जब महिलाएँ बराबरी से भागीदारी करती हैं, तो शासन अधिक प्रभावी, नीतियाँ अधिक संतुलित और समाज अधिक सशक्त बनता है।

आज महिलाएँ केवल सामाजिक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्योग, वित्त, तकनीक और प्रशासन के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि वे सक्षम प्रशासक,

दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता और संवेदनशील निर्णयकर्ता हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वे उत्कृष्ट कानून-निर्माता भी बनेंगी।

देश की महिलाओं ने हर स्तर पर अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में समान अवसर दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय केवल एक कानून नहीं, बल्कि नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने श्रीमती सुनेत्रा पवार को पहले महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री और फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित कर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। वह दिन दूर नहीं जब राज्यों में हम बड़ी संख्या में महिला मुख्यमंत्रियों को सरकार चलाते हुए देखेंगे ।

(पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता, राकांपा है)

संपादकीय

नाज़ुक युद्धविराम

तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा से दुनिया को उस युद्ध से राहत मिली है, जिसने संघर्षरत पक्षों के अलावा पूरी दुनिया के लोगों के जीवन यापन को गहरे तक प्रभावित किया। निस्संदेह इस युद्ध ने पश्चिम एशिया के रणनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने के साथ ही वैश्विक कूटनीति पर असर डाला है। एक माह से अधिक समय तक चले इस युद्ध में विनाशकारी हवाई हमलों, होर्मुज जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी और सभ्यता के विनाश के खतरों के बाद अब एक अस्थायी विराम ने पूरी दुनिया को राहत दी है। युद्ध भले ही अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच लड़ा जा रहा था, लेकिन इसने दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों, वैश्विक बाजारों और ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरे तक प्रभावित किया। उनके लिये अस्थायी युद्ध विराम होना निस्संदेह राहतकारी खबर है। लेकिन इसके बावजूद हकीकत यह है कि इस नाजुक शांति के पीछे कई चिंताजनक सच्चाइयां छिपी हैं। यह सर्वविदित है कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इस्राइल ने यह युद्ध शुरू किया था, वे कहीं से पूरे होते नजर नहीं आते। वह बात अलग है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार लक्ष्य पूरे होने की दलील देते रहते हैं। वहीं ईरान भी युद्ध विराम को अपनी सफलता के रूप में दर्शा रहा है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व के प्रमाण और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को खत्म करने के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान इसे अपनी एक रणनीतिक जीत बताता है। उसकी दलील है कि उसने दुनिया की सुपरपॉवर अमेरिका व आक्रामक इस्राइल की सेनाओं के हमलों का अकेले ही मुकाबला किया और वैश्विक तेल आपूर्ति पर अपने प्रभाव को प्रदर्शित किया है। ऐसे में कूटनीति के जानकार आशंका जता रहे हैं कि ये परस्पर विरोधी बयानबाजी स्थायी शांति की दिशा में एक कारगर कदम नहीं, बल्कि महज रणनीति में बदलाव का संकेत है। मौजूदा परिदृश्य व लगातार संवेदनशील घटनाक्रमों के बीच कहना मुश्किल है कि यह युद्धविराम किसी तार्किक परिणति तक पहुंचेगा। कहा नहीं जा सकता कि युद्धविराम के बावजूद इस्राइल पड़ोसी देशों पर हमले रोकेगा। वह कह रहा है कि लेबनान पर उसके हमले जारी रहेंगे। वहीं पाकिस्तान की तरफ से कहा जा रहा है कि समझौते के प्रारूप में लेबनान पर इस्राइल के हमले रोकना भी शामिल है। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति की 'पल-पल, क्षण-क्षण' बदलती बयानबाजी और दूसरी ओर इस्राइल की आक्रामक रणनीति स्थायी शांति के मार्ग में संदेह के कांटे बोती नजर आती है। ईरान भी कह रहा है कि यदि उस पर इस्राइल के हमले जारी रहते हैं तो वह सीमाओं से परे संघर्ष का विस्तार करेगा, जो निश्चित ही चिंता की बात है। युद्ध विराम की खबरों के बीच इस्राइल का लेबनान में हिजबुल्लाह को निशाना बनाना और हमले में नागरिकों के घायल होने की खबरों ने दुनिया की चिंता को बढ़ाया है। इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का यह बयान कि लेबनान में संघर्ष का मोर्चा सक्रिय रहेगा, युद्धविराम की सीमाओं को ही दर्शाता है। अमेरिका-ईरान युद्ध के समांतर संघर्षों को नजरअंदाज करने वाला यह युद्धविराम टिकाऊ होगा, इसमें संदेह व्यक्त किया जा रहा है। इस युद्ध के बाद पाकिस्तान के प्रमुख मध्यस्थ के रूप में उभरने के बीच युद्धविराम की शर्तों की परस्पर विरोधी व्याख्याएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन और होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण के संबंध में, एक साझा ढांचे की कमी को ही उजागर करती है।

होम्योपैथी- मीठी गोलियों में छिपा आरोग्य का महासागर

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(विशेष लेख - 10 अप्रैल विश्व होम्योपैथी दिवस)

आज के दौर में जब हम सुबह उठते हैं, तो हमारा सामना प्रदूषण, मिलावट और तनाव से होता है। ऐसे में बीमारियां हमारे जीवन का हिस्सा बन गई हैं। आज दुनिया में चिकित्सा की कई पद्धतियां हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के कुछ आंकड़े हमें चौंकाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, होम्योपैथी आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति बन चुकी है। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता हर साल करीब 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है। अकेले हमारे देश भारत की बात करें, तो यहाँ लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए पूरी तरह होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं। यह भरोसा यूँ ही नहीं बना है, इसके पीछे इस पद्धति की सादगी और बिना किसी नुकसान के ठीक करने की ताकत छिपी है। अक्सर शरीर के अनजाने रोगों के लिए लोग सालों-साल इलाज कराते हैं। लाखों रुपए अस्पतालों और जांचों में खर्च कर देते हैं परिणाम के नाम सिर्फ चंद घंटों की राहत मिलती है। ऐसे में होम्योपैथी सस्ता और पक्का विकल्प बनकर सामने आती है। आयुष मंत्रालय की मानें तो होम्योपैथी का इलाज अन्य पद्धतियों के मुकाबले काफी किफायती है, जो भारत के हर आम और गरीब आदमी की पहुँच में है। लेकिन इसका सस्ता होना इसकी कमजोरी नहीं, बल्कि इसकी खूबी है। यह शरीर को रसायनों की भट्टी बनाने के बजाय उसे अंदर से मजबूत बनाने का काम करती है।

होम्योपैथी के बारे में एक बात बहुत मशहूर है कि यह असर दिखाने में बहुत वक्त लेती है। लोग अक्सर कहते हैं कि यह बहुत धीमी है। लेकिन हकीकत यह है कि यह धीमी नहीं बल्कि गहरी है। जब कोई बीमारी पुरानी हो जाती है, तो वह शरीर की जड़ों में बैठ जाती है। उस जड़ तक पहुँचने में दवा को थोड़ा समय तो लगता ही है। कई बार ऐसा देखा गया है कि इलाज शुरू करने के पहले पंद्रह दिनों तक मरीज को कोई खास फर्क महसूस नहीं होता। मरीज को लगता है कि शायद ये गोलियां काम नहीं कर रही हैं। लेकिन असल में वह पंद्रह दिन का समय शरीर के अंदर की सफाई और मरम्मत का होता है। जैसे ही वह आधार तैयार होता है, पंद्रह दिन बाद अचानक बीमारी ऐसे गायब होने लगती है जैसे कभी थी ही नहीं। आजकल एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होना एक बड़ी वैश्विक चिंता बन गया है। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 30 प्रतिशत लोग अब पुरानी बीमारियों के लिए सबसे पहले होम्योपैथी का चुनाव कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इन दवाओं का लीवर, किडनी या पेट पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। यही वजह है कि आज कई बड़े एलोपैथी डॉक्टर भी दबी जुबान में मानने लगे हैं कि जहाँ आधुनिक विज्ञान की सीमाएं खत्म होती हैं, वहाँ होम्योपैथी का अनुभव और असर कमाल कर जाता है।

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व होम्योपैथी दिवस दरअसल इस पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि मरीज का इलाज करते समय केवल उसके अंगों को नहीं, बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को देखना चाहिए। होम्योपैथी में दवा देते समय डॉक्टर केवल आपकी बीमारी नहीं पूछते, बल्कि आपकी पसंद-नापसंद और आपके स्वभाव को भी समझते है। क्योंकि विज्ञान मानता है कि हर इंसान की बनावट और उसकी तकलीफ अलग होती है, इसलिए उसका इलाज भी अलग और विशेष होना चाहिए। भारत में अब 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड होम्योपैथी डॉक्टर दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। सरकार ने भी इसे नेशनल हेल्थ मिशन का हिस्सा बनाकर इसकी ताकत को पहचाना है। यह पद्धति हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज नहीं जिसे आप दुकान से खरीद लें, यह तो एक संतुलन है जो कुदरत के करीब रहने से मिलता है। आज के महंगाई के दौर में, जब एक मामूली बीमारी भी घर का बजट बिगाड़ देती है, तब होम्योपैथी एक राहत भरी सांस की तरह लगती है। यह न केवल शरीर को ठीक करती है, बल्कि मरीज के मन से उस बीमारी का डर भी निकाल देती है। अंत में, बस इतना ही कहना काफी होगा कि आरोग्य का रास्ता हमेशा कड़वा या महंगा हो, यह जरूरी नहीं है। कभी-कभी मीठी गोलियों का छोटा सा सफर भी बड़े-बड़े रोगों को मात दे सकता है। जरूरत है तो बस थोड़े से धैर्य की और अपनी कुदरती ताकत पर विश्वास रखने की। यदि हम होम्योपैथी को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो हम न केवल बीमारियों से बचेंगे बल्कि एक खुशहाल और दुष्प्रभाव मुक्त जीवन जी पाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है।

इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है।

अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

विचार मंथन

सीज फायर हवा- हवा, अमेरिका और इजरायल का अहंकार चूर- चूर

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया था। अभी तक ईरान को लेकर जो साजिश इजरायल और अमेरिका ने रची थी, उसमें से कोई भी साजिश कामयाब नहीं हो पाई है। जिस तरह से ईरान पर हमला करके धर्मगुरु अयातुल्लाह खामेनेई और ईरान के प्रथम पंक्ति के नेताओं की इजरायल द्वारा हत्या की गई, स्कूल में मिसाइल दागकर 180 से ज्यादा बच्चियों की हत्या की गई, इसके बाद ईरान एकजुट हुआ। अपने धर्म गुरु की हत्या को शहादत मानते हुए संपूर्ण ईरान ने एकजुटता का परिचय दिया है। जिस तरह से कर्बला की जंग का इतिहास है लगभग उसी तरह से ईरान अब इस लड़ाई को लड़ रहा है। अमेरिका ने चीन और पाकिस्तान के माध्यम से एक बार फिर ईरान को वार्ता के लिए आमंत्रित करते हुए 15 दिन का सीजफायर दोनों ने स्वीकार किया था, लेकिन इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू नहीं चाहते हैं कि अमेरिका युद्ध से बाहर हो। इजरायल ने लेबनान पर हमला किया, लेबनान ने जवाबी हमला किया। इसके बाद ईरान को भी इस कार्रवाई पर हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जिसके कारण यह युद्धविराम हवा-हवाई की तरह है। युद्ध विराम चलेगा या नहीं इसको लेकर भी तरह-तरह की आशंका जताई जाने लगी हैं। अमेरिका द्वारा ईरान के ऊपर जो हमला किया गया है वह पूरी तरह से अंतर्राष्ट्रीय नियम और कानून के अनुसार अवैध है। इजरायल और अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय कानून से ऊपर होकर पिछले कई वर्षों से फिलिस्तीन और गाजा पट्टी पर कहर बरपा रहे थे। नेतन्याहू और ट्रंप अपने आप को भगवान से भी ऊपर मानते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री पिछले 20 वर्षों से ग्रेटर इजरायल का सपना दिखाकर सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहु के चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने के लिए यही फार्मूला अमेरिका में अपनाया। ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए अपना आदर्श भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को मानते हैं। उन्होंने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए दक्षिणपंथी विचारधारा को अमेरिका में बढ़ाने का काम किया। उन्हें सफलता भी मिली। वह दूसरी बार राष्ट्रपति बन गए। उसके बाद उन्हें ऐसा लगा कि अमेरिका सारी दुनिया में नेतृत्व करता है। ऐसी स्थिति में वह जो चाहे कर सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के कानून का उल्लंघन करते हुए यह हमला किया है। उन्होंने अमेरिकी संसद (कांग्रेस) से इसकी अनुमति नहीं ली। अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद 2 (4) का उल्लंघन किया। विश्व युद्ध के बाद जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने उनका भी इस युद्ध में इजरायल और अमेरिका ने मिलकर उल्लंघन किया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूएन के अनुच्छेद 52 का उल्लंघन किया गया है। युद्ध में नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता है। युद्ध के दौरान अस्पताल और चिकित्साकर्मियों के ऊपर किसी तरह का हमला नहीं हो सकता है। इसके बाद भी अमेरिका और इजरायल ने मिलकर जिस तरह की तबाही फिलिस्तीन, गाजा पट्टी, लेबनान और ईरान में मचाई है उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह भ्रम हो गया था कि वह दुनिया को अपनी मुट्ठी में कर सकते हैं। वह जो चाहेंगे वही करेंगे। दुनिया के सभी देशों से पहले उन्होंने टैरिफ को लेकर अपनी ताकत का एहसास कराया। उसके बाद वह शांतिदूत बनकर सारी दुनिया के मसीहा बनना चाहते थे। जब वह सफल नहीं हुए तो उन्होंने गैंगस्टर की तरह काम करते हुए,,,, राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को रातों-रात सरकारी आवास से उठाकर अमेरिका में कैद कर दिया। वहां के तेल भंडारों पर कब्जा करते हुए अपने लोगों को बिठा दिया। इस सफलता के बाद उन्हें ऐसा लगने लगा था कि वह ईरान के साथ भी यही सब कर सकते हैं। पहले वहां पर खामेनेई के खिलाफ बगावत करवाकर सत्ता पलटने का प्रयास किया, जब यह प्रयास सफल नहीं हुआ तो उन्होंने ईरान के ऊपर हमला कर दिया। उनको लग रहा था कि एक सप्ताह के अंदर वह ईरान को जीत लेंगे। ईरान पर उनका कब्जा हो जाएगा। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। ईरान अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। ट्रंप और नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर चुका है। ट्रंप ने अपनी कुर्सी को बचाए रखने के लिए सीजफायर का दांव चला। इसमें उन्होंने चीन, पाकिस्तान और खाड़ी देशों की सहायता लेकर इस लड़ाई से बाहर निकलना चाह रहे थे, लेकिन नेतन्याहू इस लड़ाई से उन्हें बाहर नहीं निकलने देना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने अपनी असहमती दर्ज करा कर लेबनान के ऊपर हमला कर दिया। अब यह हमने फिर शुरू हो गए हैं, जिसके कारण एक बार फिर युद्ध के काले बादल मंडराने लगे हैं। सीज फायर के बाद आशा की जो किरण जागी थी, उसको लेकर एक बार पुनः आशंकाओं के बदले घिरने लगे हैं। धर्म युद्ध की इस लड़ाई में एक बात तो तय है कि ट्रंप और नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर चुका है। कभी भी इनकी सत्ता जा सकती है। अमेरिका में ट्रंप की पार्टी के सांसदों ने विद्रोह शुरू कर दिया है। अमेरिका की जनता सड़कों पर आ रही है। कुछ इसी तरह की स्थिति इजरायल में भी देखने को मिल रही है। कहा जाता है धर्म युद्ध में सत्य की विजय होती है इस बार सत्य ईरान के साथ है। बहुत छोटी सी अर्थव्यवस्था और छोटी आबादी होने के बाद भी उसने जिस तरह से इन दोनों महा राक्षसों का मुकाबला किया है, उसकी प्रशंसा अब सारी दुनिया में हो रही है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 931 अंक, निफ्टी 222 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक करीब 1.20 फीसदी की गिरावट के साथ 76,631.65 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 222.25 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी नीचे आकर 23,775.10 पर बंद हुआ।

बाजार में ये गिरावट बैंकिंग शेयरों के कारण आई है। निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.75 फीसदी की कमजोरी के साथ सबसे अधिक गिरा। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.41 फीसदी , निफ्टी पीएसयू बैंक 1.27 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.19 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.75 फीसदी और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.39 फीसदी नीचे आया। वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.56 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.25 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.13 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.82 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर 0.71 फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.66 फीसदी उछलकर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बीईएल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा सबसे अधिक लाभ में रहे। इंडिगो, एलएंडटी, इटरनल, एचडीएफसी बैंक,आईसीआईसीआइ बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एमएंडएम और बजाज फिनसर्व सबसे अधिक नुकसान में रहे थे। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 179.25 अंक या 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 56,978.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.95 अंक या 0.17 फीसदी की तेजी के साथ 16,566 पर बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली से भी बाजार गिरा है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर बैंकिंग व आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 300 अंकों की गिरावट के साथ 77,319 पर खुला। वहीं निफ्टी भी कमजोर

रुख के साथ 23,909 पर खुला और बाद में हल्की गिरावट के साथ 23,944 के आसपास कारोबार करता नजर आया।

प्रीमियर एनर्जीज को 2,577 करोड़ के मिले ठेके

नई दिल्ली ।

प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 1,600 मेगावाट सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा इन ठेकों का निष्पादन वित्त वर्ष 2027-28 और 2028-29 के दौरान किया जाएगा।इसमें कहा गया कि बढ़ती ऑर्डर बुक कंपनी के विस्तार को दर्शाती है। सितंबर 2026 तक सौर सेल क्षमता 10.6 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है जबकि मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता हाल ही में बढ़ाकर 11.1 गीगावाट की गई है। प्रीमियर एनर्जीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि ठेकों की यह मजबूत आमद विनिर्माण क्षमताओं एवं हमारे प्रौद्योगिकी खाके पर ग्राहकों के भरोसे को दर्शाती है।

एलपीजी की आपूर्ति सुरक्षित, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर के भाव स्थिर

– किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद भारत में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। 9 अप्रैल को घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 913 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,078.50 रुपये बनी हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को हमेशा प्राथमिकता दी जा रही है। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति संतुलित तरीके से सुनिश्चित की जा रही है ताकि घरेलू जरूरतों को पहले पूरा किया जा सके। मंत्रालय ने यह भी कहा कि अब लगभग 95 फीसदी एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन हो रही है और 91 फीसदी डिलीवरी डीएसी के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। डिजिटल बुकिंग और पारदर्शी वितरण प्रणाली के कारण सिलेंडरों की चोरी और डायवर्जन पर काफी हद तक रोक लगी है। सरकार ने सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। सिर्फ एक दिन में लगभग 4,000 छापे मारे गए और 1,000 सिलेंडर जब्त किए गए।

किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा है। देश के प्रमुख शहरों में एलपीजी की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली - घरेलू 913 रुपए, कमर्शियल 2,078.50 रुपए, जयपुर घरेलू- 916.50, कमर्शियल 2,031, पटना घरेलू- 1,011, कमर्शियल 2,365, लखनऊ घरेलू 950.50, कमर्शियल 2,201, मुंबई घरेलू 912.50, कमर्शियल 2,031, कोलकाता घरेलू 939, कमर्शियल 2,208 और चेन्नई घरेलू 928.50, कमर्शियल 2,246.50 रुपये।

भारत-अमे रिका की आपूर्ति श्रंखलाओं को मजबूत करेगा नया व्यापार सुगमता पोर्टल

नई दिल्ली ।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ नया व्यापार सुगमता पोर्टल लॉन्च किया है। यह पोर्टल दोनों देशों के बीच आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और नए व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने का काम करेगा। मिस्री ने बताया कि यह पोर्टल एक सेतु का कार्य करेगा, जो मौजूदा आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता सुनिश्चित करेगा और नए व्यापारिक अवसरों को उत्पन्न करने में मदद करेगा। पोर्टल का उद्देश्य दोनों देशों के व्यवसायियों के लिए सहयोग और संपर्क को सरल बनाना है। विदेश सचिव बुधवार से अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका में हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा सहयोग और वैश्विक घटनाक्रम जैसे मध्य पूर्व संकट पर चर्चा करेंगे। इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत समेत दोनों देशों के वरिष्ठ

अधिकारी और व्यापारिक प्रतिनिधि मौजूद थे।

भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले वर्ष मई में कुछ तनाव देखा गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विवादित दावों और वाशिंगटन द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क के बाद रिश्तों में गिरावट आई थी।

फरवरी में दोनों देशों ने आपसी लाभकारी व्यापार के लिए अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति व्यक्त की।

घरेलू दवा बाजार में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में तेजी रही

. मूल्य वृद्धि और स्थिर मांग से बाजार में 10ण्5 फीसदी की उच्चतम तिमाही वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली

। भारत का घरेलू फार्मास्यूटिकल बाजार वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में मजबूती के साथ बंद हुआ। बाजार अनुसंधान कंपनी फार्मारैक के अनुसारए चौथी तिमाही में लगभग 10ण्5 प्रतिशत की कुल वृद्धि दर्ज की गईए जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे ऊंची है। वृद्धि में मुख्य योगदान कीमतों की बढ़ोतरी ;5ण्4दृ5ण्5 फीसदीद्ध का रहाए जबकि वास्तविक खपत में सुधार सीमित रहाए लगभग 1ण्7 फीसदी। मासिक डेटा में स्थिरता दिखी. जनवरी में 10ण्2ए फरवरी में 11 ;शीर्षद्ध और मार्च में 10ण्1 फीसदी। इस स्थिरता से पता चलता है कि सभी चिकित्सा क्षेत्रों में मांग मजबूत रही। विशेष रूप से पुरानी बीमारियों और स्पेशियलिटी दवाओं का योगदान लगातार वृद्धि में अहम रहा। यह संकेत है कि बाजार न केवल कीमतों पर निर्भर हैए बल्कि धीरे.धीरे वास्तविक खपत में सुधार भी आ रहा है। विश्लेषक मानते हैं कि अगर आने वाली तिमाहियों में वॉल्यूम ग्रोथ और बढ़ती हैए तो यह स्वस्थ और टिकाऊ विकास का संकेत देगा।

होर्मुज स्ट्रेट तनाव तेल बाजार में फिर उछाल, वैश्विक सप्लाई पर चिंता

स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग

नई दिल्ली ।

सीजफायर के बाद राहत की उम्मीद कर रहे तेल बाजार को नए झटके का सामना करना पड़ा है। एक दिन की गिरावट के बाद ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में तेज उछाल आया है। यह अनिश्चितता मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में होर्मुज स्ट्रेट के संचालन को लेकर बनी रही। ब्रेंट क्रूड लगभग 2.86 फीसदी बढ़कर 97.46 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.56 फीसदी चढ़कर 97.77 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। पिछले कारोबारी सत्र में दोनों बेंचमार्क 100 डॉलर के नीचे फिसल गए थे, जिसमें डब्ल्यूटीआई ने अप्रैल 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की थी। स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग है।

ईराक, सऊदी अरब, कुवैत और कतर जैसी प्रमुख तेल उत्पादक देशों के निर्यात इसी मार्ग से होते हैं। इसलिए इस मार्ग में किसी भी बाधा से पूरी दुनिया में तेल की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। सीजफायर की घोषणा के बावजूद बुधवार को इस स्ट्रेट से केवल 4 जहाज गुजर पाए। ईरान ने कहा कि वह रोजाना केवल 12

जहाजों को ही गुजरने देगा और टोल वसूलेगा, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे टोल फ्री करने का दावा किया। इस भिन्न रुख से बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल का तनाव अब तक के सबसे बड़े तेल संकटों में से एक बन सकता है। पहले यह तनाव कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक ले गया था, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर था। शिपिंग कंपनियां स्पष्टता मिलने तक आवाजाही सामान्य नहीं करेंगी, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना हुआ है।

युद्धविराम से कच्चे तेल में नरमी, लेकिन कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर

अमेरिका-ईरान-इजरायल तनाव में अस्थायी राहत के बावजूद सप्लाई संकट से बाजार दबाव में

नई दिल्ली ।

अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि सप्लाई चेन पर पड़े असर के कारण कीमतें अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी ऊपर बनी रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में नरमी देखने को मिली है, जिसका मुख्य कारण अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच घोषित दो हफ्तों का युद्धविराम है। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट के अनुसार, 28 फरवरी 2026 से जारी सैन्य संघर्ष के दौरान यह पहली बार है जब तनाव में कुछ ठहराव आया है। उनके मुताबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2 अप्रैल को लगभग 128 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो अब घटकर 93 से 95 डॉलर के बीच आ गई है। उनका कहना है कि हमलों में कमी आने से बाजार में शामिल ÷कन्फ्लिक्ट प्रीमियम÷ घटा है, जिससे कीमतों में यह गिरावट आई है। हालांकि, स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। खाड़ी देशों के ऊर्जा ढांचे, तेल टैंकरों और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट में बाधाओं ने तेल निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे उत्पादन में कटौती करनी पड़ी। उनका कहना है कि यह संकट 1973 के तेल संकट के बाद सबसे बड़ा झटका साबित हो सकता है। संघर्ष शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में करीब 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और यह अब भी युद्ध से पहले के स्तर से लगभग 35 प्रतिशत अधिक है। विश्लेषकों के अनुसार इस स्थिति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। इससे वैश्विक विकास दर में 0.20 से 0.30 प्रतिशत तक कमी और महंगाई में 0.70 से 0.90 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में भले ही अभी राहत दिख रही हो, लेकिन कीमतों का जल्द सामान्य होना मुश्किल नजर आ रहा है।

सिग्नेचर ग्लोबल की 2025.26 में बिक्री बुकिंग घटकर 8ए220 करोड़ रही

पिछले साल कंपनी की बिक्री बुकिंग 1.620 करोड़ रुपये थी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड की वित्त वर्ष 2025.26 में बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रही।

वहीं चौथी ;जनवरी.मार्चद्ध तिमाही में बिक्री बुकिंग ;प्री.सेल्सद्ध पांच प्रतिशत घटकर 1ए540 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग 1ए620 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025.26 में उसकी बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रह गईए जो 2024.25 में 10ए290 करोड़ रुपये थी। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि कंपनी ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित आरएमजेड समूह के साथ संयुक्त उद्यम के जरिये वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में प्रवेश कर रणनीतिक कदम उठाया है। यह संयुक्त उद्यम 18 एकड़ के वाणिज्यिक परियोजना के विकास

में करीब 7ए500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। उन्होंने कहा` कि आगे बढ़ते हुए हम विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन और सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित रखेंगेए साथ ही उच्च.विकास वाले सूक्ष्म बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करेंगे। वित्त वर्ष 2025.26 की शुरुआत में सिग्नेचर ग्लोबल ने 12ए500 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा था। हालांकिए तीसरी तिमाही के बाद कंपनी ने कहा था कि गुरुग्राम के आवासीय बाजार में मांग नरम पड़ने के कारण वह यह लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगी।

सीएनजी कारों का जलवा भारत में हर चौथी कार अब सीएनजी पर दौड़ रही

नई दिल्ली ।

भारत के कार बाजार में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। अब खरीदार पहले कितना देती है नहीं, बल्कि कितना बचाती है सवाल पूछ रहे हैं। बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों और कम रनिंग कॉस्ट के कारण सीएनजी विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2026 के आंकड़े बताते हैं कि अब देश में बिकने वाली हर चार में से एक कार सीएनजी पर चलती है। फेडरेशन ऑफ़ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा)के अनुसार` वित्त वर्ष 2026 में देश भर में 47.05 लाख पैसेंजर व्हीकल्स बिकीं, जिनमें लगभग 10.34 लाख सीएनजी कारें थीं। इसका मतलब है कि सीएनजी की हिस्सेदारी अब 22 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि तीन साल पहले यह केवल 12-13 प्रतिशत थी। पेट्रोल का शेयर घटकर 47.48 फीसदी और डीजल का 18.08 फीसदी रह गया है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़कर 4.25 फीसदी हो गई है। सीएनजी का खर्च प्रति किलोमीटर पेट्रोल से 40-50 फीसदी तक कम है। भले ही सीएनजी कारें 80,000-1,00,000 रुपये महंगी हों, 15,000-20,000 किलोमीटर सालाना चलाने वाले लोग अतिरिक्त लागत 18 महीनों में

निकाल लेते हैं। देशभर में सीएनजी पंपों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, जिससे महंगे ईंधन की तुलना में सीएनजी भरवाना आसान हो गया है। मारुति, हुंडई और टाटा जैसे ब्रांड फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी कारें पेश कर रहे हैं। अब हैचबैक, सेडान और एसयूवी तक सीएनजी पोर्टफोलियो फैल गया है। टाटा ने`` वित्त वर्ष 26 में 1.72 लाख सीएनजी यूनिट बेचीं, जो सालाना 24 फीसदी की बढ़त है। सीरएनजी की लोकप्रियता सिर्फ कारों तक सीमित नहीं रही। बजाज ने दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 लॉन्च की, जबकि टीवीएस ने जूपीटर सीएनजी पर काम शुरू किया है।

सोने का भाव 1129 रुपए टूटा, चांदी में 4068 की गिरावट

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी में गुरुवार को सोने और चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में नरमी देखने को मिली, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा। गुरुवार को घरेलू वायदा बाजार में सोना और चांदी दोनों कमजोर रुख के साथ कारोबार करते नजर आए। मल्टी कमो डिटी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 1,129 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,647 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,51,776 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट करीब 776 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,000 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,51,452 रुपये का उच्च और 1,50,647 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट 4,068 रुपये टूटकर 2,35,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,39,918 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह करीब 3,793 रुपये की गिरावट के साथ 2,36,125 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

दिन के दौरान इसने 2,36,187 रुपये का उच्च और 2,35,133 रुपये का निचला स्तर छुआ।

अनंत अंबानी ने कोयंबटूर के जीएसआईएफ को दिया बड़ा योगदान

– मरीजों के लिए 50 दिन तक मुफ्त रिहैबिलिटेशन सुनिश्चित

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने कोयंबटूर स्थित गंगा स्पाइन इंजरी फाउंडेशन (जीएसआईएफ) को महत्वपूर्ण योगदान देने की घोषणा की है। यह कदम स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से जूझ रहे मरीजों के लिए अमूल्य रिहैबिलिटेशन सेवा सुनिश्चित करेगा। अनंत अंबानी ने यह फैसला अपने जन्मदिन 10 अप्रैल से ठीक पहले लिया। जीएसआईएफ ने उनके उदार योगदान के लिए आभार जताया। फाउंडेशन के अनुसार, इस योगदान से मरीजों को 50 दिन या उससे अधिक समय तक पूर्ण, मुफ्त और व्यापक रिहैबिलिटेशन सेवाएं प्राप्त होंगी, जो उनकी व्यक्तिगत रिकवरी आवश्यकताओं पर आधारित होंगी। इस पहल के तहत मरीजों को मेडिकल केयर, फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, मोबिलिटी और व्हीलचेयर ट्रेनिंग, ब्लैडर और बाउल मैनेजमेंट, साइकोलॉजिकल काउंसलिंग, न्यूट्रिशनल सपोर्ट और वोकेशनल/फंक्शनल रिहैबिलिटेशन जैसी सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य मरीजों को आत्मनिर्भर, काम पर लौटने योग्य और समाज में सम्मान के साथ फिर से एकीकृत करना है। जीएसआईएफ के एक अे धिकारी ने कहा, हम इस सार्थक सहयोग के लिए गहराई से आभारी हैं। यह योगदान मरीजों

और उनके परिवारों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालेगा, उन्हें उम्मीद और सम्मान के साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा।

रुपया 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। युद्धविराम के बावजूद इजराइल के लेबनान पर बमबारी जारी रखने की स्थिति में ईरान के वार्ता से बाहर निकलने की धमकी ने निवेशकों को चिंतित कर दिया है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में स्थिति नाजुक बनी रहने से बाजार मजबूत रुख अपनाने के बजाय 'प्रतीक्षा करो और देखो' की स्थिति में हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.63 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.03 पर रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज होगी आरसीबी और रॉयल्स में टक्कर

गुवहाटी (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मैच में रॉयल्स टीम को घरेलू मैदान होने का लाभ मिलेगा। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स ने अब तक अपने तीन मैच जीते हैं और इस समय 6 अंक के साथ ही वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी ने दो मैच जीते हैं जिससे उसके चार अंक हैं और वह तालिका में तीसरे नंबर पर है।

राजस्थान ने जहां चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस को हराया है। वहीं आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को पराजित किया है। दोनो ही टीमों के बल्लेबाज और गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में ये मुकाबला कांटे का होना तय है। दोनो की ही बल्लेबाज मजूबत है। राजस्थान के पास यशस्वी जायस्वाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं वहीं आरसीबी के पास विराट कोहली और रजत पाटीदार जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में हालांकि रॉयल्स ज्यादा मजबूत नजर आती है। आरसीबी के पास जैकब डफी और भुवनेश्वर कुमार जबकि रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर जैसे तेज गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल में अब तक हुए कुल 34 मुकाबलों में से राजस्थान ने 14 मैच जीते हैं, जबकि बेंगलुरु ने 17 मैच जीते हैं। वहीं 3 मैचों का परिणाम नहीं निकला। बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच यह बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी

जाती है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर वाला मैच प्रशंसकों को देखने को मिलना तय है। गेंदबाजों को विकेट के लिए यहां काफी मेहनत करनी होगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज कर अपना हौंसला बढ़ना चाहेंगी।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी - रजत पाटीदार (कप्तान), फिलिप सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह और जैकब डफी।

राजस्थान रॉयल्स - रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, पीवी सिंधु और एचएस प्रणय बाहर

निंगबो (एजेंसी)। निंगबो, 09 अप्रैल (वेब वार्ता)। आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गुरुवार को यहां ताइपे के चिन यू जेन को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। आयुष ने 41 मिनट तक चले मैच में ताइपे के शटलर पर 21-16, 21-12 से आसान जीत दर्ज की।

आयुष ने अपने कैंपेन की शुरुआत चीन के ली शि फेंग पर शुरुआती राउंड में 21-13, 21-16 से शानदार जीत के साथ की। वह क्वार्टर फाइनल में इसी लय को बनाए रखना चाहेंगे, जब उनका सामना इंडोनेशिया के तीसरी सीड जोनाथन क्रिस्टी से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और एचएस प्रणय अपने-अपने मुकाबले हारकर चैंपियनशिप से बाहर हो गए।

प्रणय, जो गुयेन है डांग पर सीधे गेम में 24-22, 21-12 से जीत के साथ दूसरे राउंड में आए थे, उन्हें हांगकांग की वेंग होंग यांग के हाथों 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में सिंधु को दो बार की एशियन चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी वांग जी यी से भी सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ अपना महिला एकल ओपनर 15-21, 21-11, 21-19 से जीतकर दूसरे राउंड में वापसी की थी। मिश्रित डबल्स में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जब तनीषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी टोह ई वेई और चांग टेन जी की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 14-21 से हार गई।

बाद में, उन्नति हुड्डा, जिन्होंने पहले राउंड में थाईलैंड की दुनिया की 11 नंबर की खिलाड़ी सुपनिडा कटेथोंग को एक गेम से पीछे रहकर हराया था, अब दुनिया की 9 नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से भिड़ेंगी।

महिला डबल्स में, प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए पांचवीं सीड जापानी जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से भिड़ेंगी।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है।

यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं? हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरू करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे। आईसीसी अगले साल नवंबर से पहले नए भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के जारी होने की उम्मीद है।इससे पता चलेगा कि अगले पांच साल दक्षिण अफ्रीका टीम का कार्यक्रम कैसा रहने वाला है। उसी के बाद अफ्रीकी टी20 टूर्नामेंट को लेकर फैसला होगा।

कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं : ग्रीम स्मिथ

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। महान सचिन तेंदुलकर के बाद से भारतीय क्रिकेट ने ऐसा कोई टीनेजर नहीं दिया है जिसने पूरी क्रिकेट दुनिया को हैरान कर दिया हो। इस बीच कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए हैं, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं। 15 साल और 12 दिन की उम्र में, सूर्यवंशी एक असाधारण पीढ़ी का टैलेंट है। साथ ही, वह मॉडर्न गेम के लिए एकदम सही प्रोटोटाइप हैं, जो टी20 क्रिकेट में ऑर्डर में ऊपर लगभग अपनी मर्जी से छक्के मारते हैं।

मंगलवार शाम को सूर्यवंशी की काबिलियत का एसिड टेस्ट हुआ। राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में एक बड़े IPL मैच में मुंबई इंडियंस का सामना कर रही थी। इस टीनएजर, जिसने टी20 क्रिकेट में 378 गेंदों पर 68 छक्के लगाए थे, गेम में आने से पहले दुनिया के बेस्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए तैयार था। सूर्यवंशी का सामना पहले कभी बुमराह से नहीं हुआ था। क्या वह प्रेशर झेल पाएगा? क्या बुमराह अपनी फेमस स्लोअर बॉल या यॉर्कर में से कोई एक डालने वाला था, जिसने कहीं ज़्यादा एक्सपीरियंस और पेडिग्री वाले बैट्समैन को धोखा दिया है? नतीजा: 131.2 किमी प्रति घंटे की लेग-स्टंप हाफ-वॉली।

सूर्यवंशी इससे ज्यादा टेस्टी कुछ नहीं मांग सकता था क्योंकि उसने बॉल को स्टैंड्स में छक्के के लिए जमाकर डिलीवरी का एक हिस्सा खा लिया। इस यंगस्टर ने अपना टेस्ट पास कर लिया है। उसने अब दुनिया के बेस्ट बॉलर को भी मैक्सिमम हिट किया है। यही वह हिम्मत वाला टैलेंट है जिस पर स्र20 कमिश्नर ग्रीम स्मिथ IPL के शुरुआती हफ्तों के दौरान कड़ी नजर

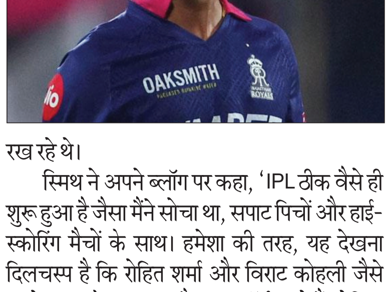

रख रहे थे।

स्मिथ ने अपने ब्लॉग पर कहा, 'IPL ठीक वैसे ही शुरू हुआ है जैसा मैंने सोचा था, सपाट पिचों और हाई-स्कोरिंग मैचों के साथ। हमेशा की तरह, यह देखना दिलचस्प है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुराने स्कूल के सुपरस्टार कैसा परफॉर्म करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के इस युवा खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी पर शुरुआती कुछ हफ्तों में नजर रखनी चाहिए।उसने पहली ही गेंद से पावरफुल होने की अपनी काबिलियत दिखा दी है। एक जवान आदमी के तौर पर, वह टूर्नामेंट के दौरान एक असली सुपरस्टार बन सकता है और मैं यह देखने के लिए सच में बहुत एक्साइटेड हूं कि वह कैसा करता है।'

स्मिथ, जो 2008 में पहला IPL जीतने वाली पहली राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा थे, का मानना है कि दुनिया के सबसे पॉपुलर टी20 टूर्नामेंट ने ग्लोबल क्रिकेट माहौल में क्रांति ला दी है। उनका मानना है कि आईपीएल की सफलता का एसए20 के ज़रिए असर पड़ा है, जिसने साउथ अफ्रीका में क्रिकेट को फिर से जिंदा कर दिया है और अनछुए टैलेंट को सामने आने का मौका दिया है।

स्मिथ ने कहा, 'हमारी छह फ्रेंचाइजी एसए20 की ग्रोथ का एक बहुत बड़ा, ज़रूरी हिस्सा हैं। हम बहुत खुशकिस्मत थे कि हमें हाई क्वालिटी वाली छह आईपीएल टीमें मिलीं, और वे दुनिया के सबसे अनुभवी फ्रेंचाइजी मालिक हैं। वे बहुत कॉम्पिटिटिव हैं, वे जीतना चाहते हैं, और वे कोचिंग से लेकर मेडिकल केयर तक, हर जगह क्रिकेट और बिज़नेस में बेहतरीन काम करते हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी के पास शानदार स्काउट्स हैं - उन्हें जो टैलेंट मिलता है वह हमेशा सिस्टम से नहीं आता है। जब आप क्रिकेट इकोसिस्टम को फिर से बनाने और बढ़ाने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो ऐसे पार्टनर होना कमाल की बात है।'

उन्होंने कहा, 'IPL से मुकाबला करना लगभग नामुमकिन है, लेकिन हम खुशकिस्मत हैं कि वे हमारे साथ बहुत खुले रहे हैं, और शुरुआती दौर में हमें बड़ी सफलता दिलाने में मदद की है। हम सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है, लेकिन टी20 ग्रोथ फॉर्मेट है। यह खेल में प्राइवेट ओनरशिप ला रहा है और हम अब बहुत ज़्यादा वैल्यूएशन देख रहे हैं। दुनिया भर के लोग क्रिकेट को गंभीरता से ले रहे हैं, इस पर बहुत ज्यादा लोग नजर रख रहे हैं और यह सभी खास मार्केट में बढ़ रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले चार से पांच सालों में यह कहाँ तक जा सकता है, जब खेल में प्राइवेट ओनरशिप होगी और 2028 के ओलंपिक आने वाले हैं।'

बीसीसीआई ने आईपीएल को लेकर नियमों को सख्त किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में अनुशासन बनाये रखने के लिए सख्त नियम बनाये हैं। नए नियम के तहत अब केवल वही 16 खिलाड़ी मैदान पर प्रवेश कर सकेंगे, जिनका नाम आधिकारिक टीम शीट में दर्ज होगा। इससे साफ है कि जो खिलाड़ी इस सूची में शामिल नहीं हैं, वे किसी भी स्थिति में मैदान पर कदम नहीं रख सकेंगे। ड्रिंक्स ले जाना,खिलाड़ियों तक रणनीतिक संदेश पहुंचाना, बैट या अन्य उपकरण मैदान में देना, इन सभी कार्यों पर अब प्रतिबंध रहेगा। यदि खिलाड़ी नामित 16 में शामिल नहीं है। इसके अलावा, बाउंड्री लाइन के आसपास मौजूद खिलाड़ियों की संख्या भी सीमित कर दी गई है। अब एक समय में अधिकतम पांच खिलाड़ी ही बिब पहनकर बाउंड्री के पास रह सकते हैं। ये पांच खिलाड़ी नामित 16 में से भी हो सकते हैं या बाकी स्क्वॉड से, लेकिन संख्या पांच से अधिक नहीं होगी। वहीं अब तक आईपीए टीमों की स्क्वॉड में लगभग 25 खिलाड़ी होते हैं और उनमें से कई खिलाड़ी मैच के दौरान बाउंड्री लाइन के पास सक्रिय रहते थे लेकिन अब नए नियम के बाद अब मैदान के पास भीड़ कम होगी, गैर–खेलने वाले खिलाड़ियों की भूमिका सीमित हो जाएगी। ऐसे में टीमों को अपनी रणनीति और संचार के तरीकों में बदलाव करना होगा। टीम अधिकारियों के अनुसार, यह निर्देश हाल ही में सभी फ्रेंचाइजि़यों को भेजा गया है। ऐसे में अब मैदान के किनारे खिलाड़ियों का वार्म–अप करना, सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों का ड्रिंक्स लेकर दौड़ना, और हर ओवर के बीच रणनीतिक संदेशों का आदान–प्रदान जैसे काम अब नहीं होंगे।

शमी की भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में वापसी होनी चाहिये। गांगुली के अनुसार शमी जैसे गेंदबाज की भारतीय टीम को जरुरत है। जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने के लिए उनसे बेहतर कोई भी नहीं है। शमी ने आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन किय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए थे। गांगुली ने कहा, हमने देखा कि उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ क्या शानदार ओवर किया। साथ ही कहा किक ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं है। इनके खिलाफ 4 ओवर में 9 रन देना उनके गेंदबाजी कौशल को दिखाता है। गांगुली ने कहा कि शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि रणजी ट्रॉफी में शमी ने लगातार बेहतरीन गेंदबाजी की है। उन्होंने सेमीफाइनल में 8 विकेट लिए थे।गांगुली का मानना है कि शमी पूरी तरह फिट हैं और लगातार खेलने से उनकी फॉर्म और बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, जब कोई गेंदबाज लगातार गेंदबाजी करता है, तो वह अपनी बेस्ट फॉर्म में होता है। नेट्स से ज्यादा मैच अभ्यास मायने रखता है।गांगुली को उम्मीद है कि चयन समिति उनके ऊपर जरुर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शमी को भारत के लिए खेलना चाहिए। उम्मीद है कि उनका समय फिर आएगा, क्योंकि वह इसके योग्य हैं।

अपनी विविधता भरी गेंदबाजी से तेज गेंदबाज वैशाख ने बनायी अलग पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स के युवा तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। वैशाख की खासियत ये है कि उनकी गेंदों में काफी विविधता है और रफ्तार भी 140 से 145 किलोमीटर/प्रतिघंटा की है। जिसका सामना करना बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन हो रहा है।वैशाख अपना चौथा आईपीएल सीजन खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 19 मुकाबलों में 29.45 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं। इससे पहले वैशाख ने साल 2023 आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए 7 मुकाबलों में 9 विकेट लिए थे।

विजयकुमार ने साल 2024 सत्र में 4 मुकाबलों में 4 विकेट लिए ले। वहीं आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीदा था पर वह फिट नहीं होने के कारण काफी कम मुकाबले खेल पाये थे। तब वैशाख ने 5 खेलते हुए 4 विकेट लिए थे।

वहीं इस सत्र में इस गेंदबाज ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए है। वैशाख ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पहले मैच में 34 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं दसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 38 रन देकर 2 विकेट लिए। इस सत्र में उनके गेंदबाजी कौशल को काफी सुधार आया है। उनकी वाइड यॉर्कर और स्लो बाउंसर का जवाब बल्लेबाजों के पास नहीं हैं। वह गेंद की गति को अचानक कम करते हुए बल्लेबाजों को हैरान कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उनके नाम फर्स्ट क्लास करियर के 31 मुकाबलों में 25.14 की औसत के साथ 116 विकेट हैं। । वहीं, लिस्ट-ए करियर के 29 मुकाबलों में विजयकुमार ने 40 विकेट निकाले हैं। 52 टी20 मुकाबलों में यह गेंदबाज 66 विकेट अपने नाम कर चुका है।इस गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय कर्नाटक के घरेलू क्रिकेट और अपने कोच को दिया है। उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट में खेलते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ गेंदबाजी से उनका मनोबल बढ़ा है। इस गेंदबाज की प्राथमिकता रफ्तार नहीं बल्कि फिटनेस और तकनीक को बेहतर बनाना है।

राहुल के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाज केएल राहुल के अर्धतक के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस से हार गयी। इस मैच में राहुल ने 92 रनों की शानदार पारी खेलकर दिल्ली को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था पर इसके बाद भी टीम उसका लाभ नहीं ले पायी और उसे केवल 1 रन से हार झेलनी पड़ी। राहुल ने अपनी इस पारी के दौरान 52 गेंदों पर 11 चौके और 4 छक्के लगाए। हालांकि इस आक्रामक पारी के बाद भी उनके नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिससे वह भूलना चाहेंगे। ये रिकार्ड है किसी बल्लेबाज के सबसे अधिक रन बनाने के बाद भी उसकी टीम को मिलने वाली हार। इससे पहले ये रिकार्ड आरसीबी के विराट कोहली और मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा के नाम है।

अब राहुल भी इस क्लब में शामिल हो गये हैं। राहुल ने मैच में 92 रनों की शानदार पारी खेली पर इसके बाद भी उनकी टीम हारी। राहुल इसी के साथ आईपीएल में टीम की हार में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-5 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। राहुल के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने इस रंगारंग लीग में अभी तक खेले 153 मैचों में 45.21 की औसत और 136.41 के स्ट्राइक रेट के साथ 5335 रन बनाए हैं। इसमें से 2515 रन टीम की हार में आए। इसका मतलब है कि राहुल के आईपीएल करियर में 47 फीसदी रन तब बने जब उनकी टीम हारी है। वहीं विराट के नाम टीम की हार में भी सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। कोहली ने अपने आईपीएल करियर में 269 मैचों में 8758 रन बनाए हैं, जिसमें से 3731 रन ऐसे हैं जिनके बाद भी उनकी टीम हारी है। वहीं रोहित के 2764 रन तब बने जब टीम हारी है। वहीं शिखर धवन 2768 और डेविड वॉर्नर

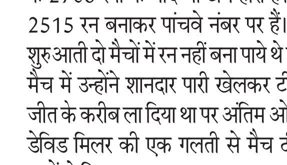

के 2768 रनों के बाद भी टीम हारी है। राहुल 2515 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं। राहुल शुरुआती दो मैचों में रन नहीं बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत के करीब ला दिया था पर अंतिम ओवरों में डेविड मिलर की एक गलती से मैच टीम के हाथों से फिसल गया।

डॉक्टर की बात नहीं मानी, भारत के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं राशिद खान

नई दिल्ली - कमर के ऑपरेशन के बाद टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की डॉक्टर की सलाह के बाद अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने संकेत दिए हैं कि वह जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। राशिद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए फिट रहने की है। 27 वर्ष के राशिद ने 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है लेकिन इसके बावजूद पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर डाले और 11 विकेट लिए थे। राशिद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को गुजरात टाइटंस की एक रन से जीत के बाद कहा, 'यह काफी कठिन सवाल है। डाक्टर ने मुझे सबसे पहले टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था। इसके बावजूद मैने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला।' उन्होंने कहा, 'डॉक्टर ने मुझसे कहा कि अगर क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हो तो टेस्ट क्रिकेट खेलते रहो।'

उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं। लेकिन एहतियात बरतनी होगी कि खुद पर अधिक बोझ नहीं डालूं।' आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'आप काफी कठिन सवाल पूछ रहे हैं। मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। अगर उस टेस्ट में कमर में फिर तकलीफ हो गई तो? मैं 100 टेस्ट नहीं खेल सकता। अगर मैं साल में एक टेस्ट खेल रहा हूं तो 100 साल तक तो खेलूंगा नहीं। लिहाजा टेस्ट क्रिकेट में कोई लक्ष्य नहीं है।'

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने लिवरपूल एफसी को 2–0 से हराया

पेरिस। पेरिस सेंट–जर्मन (पीएसजी) ने लिवरपूल एफसी को 2–0 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। पेरिस के पार्क डेस प्रिंसेस में खेले गए इस मुकाबले में मेजबान टीम पूरी तरह हावी नजर आई। मैच की शुरुआत से ही पीएसजी ने आक्रामक अंदाज अपनाया। डेसिरे डोउए ने 11वें मिनट में बॉक्स के अंदर से शानदार शॉट लगाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनका यह शॉट डिफ्लेक्शन लेकर गोलकीपर के ऊपर से निकल गया। पहले हाफ में पीएसजी लगातार मौके बनाता रहा। ख्विचा क्वारत्सखेलिया और उस्मान डेम्बेले ने कई खतरनाक हमले किए, लेकिन लिवरपूल के गोलकीपर जियोर्जी ममारदाश्विली ने कुछ बेहतरीन बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा। इसके बावजूद लिवरपूल एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लगा सका। दूसरे हाफ में भी मैच का रुख नहीं बदला। पीएसजी लगातार दूसरे गोल की तलाश में रहा। टीम को 65वें मिनट में सफलता मिली। जोआओ नेवेस के शानदार पास पर क्वारात्खेलिया ने आसान फिनिश करते हुए स्कोर 2–0 कर दिया। लिवरपूल की डिफेंस पर लगातार दबाव बना रहा और पीएसजी को पेनल्टी मिलने की स्थिति भी बनी, लेकिन वीएआर के फैसलों ने इंग्लिश टीम को राहत दी। अशरफ हकीमी और डेम्बेले ने अंत में और मौके बनाए, लेकिन स्कोरलाइन में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस जीत के साथ पीएसजी ने पिछले सीजन की हार का बदला भी ले लिया है और अब वह दूसरे लेग के लिए एनफील्ड में 2–0 की मजबूत बढ़त के साथ उतरेगा। वहीं, लिवरपूल के सामने वापसी की बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि सेमीफाइनल में जगह दांव पर लगी है।

प्रीति, मीनाक्षी, प्रिया और अरुंधति ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

उलानबटोर (मंगोलिया) (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार की अगुवाई में भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

मीनाक्षी (48 किलोग्राम) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किलोग्राम) के साथ प्रिया घंघास (60 किलोग्राम) और विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) ने शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत को हालांकि सबसे बड़ा झटका 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रुएनरोस (पूर्व नाम जुटामास जितपोंग) से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की अल्फिया पठान (80 किलोग्राम से अधिक) ने भी रजत पदक हासिल किया। चैंपियनशिप में अपने एकमात्र मुकाबले में उन्हें कजाकिस्तान की दीना इस्लम्बेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ कुल 10 पदक जीते। कुछ भार वर्गों में हालांकि सीमित भागीदारी के कारण लवलीना बोरगोहेन (75 किलोग्राम), पूजा रानी (80 किलोग्राम) और अल्फिया जैसी खिलाड़ियों को सिर्फ भाग लेने के लिए ही पदक मिल गए। इन भार वर्गों में केवल तीन प्रतियोगी ही थे। मीनाक्षी ने मंगोलिया की नोमुंडारी एन्ख-अमगलान को 5-0 से हराकर भारत के लिए दिन का पहला स्वर्ण पदक जीता और शानदार शुरुआत की। प्रीति ने एक और दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी बेहतरीन लय को बरकरार रखा। उन्होंने तीन बार की विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हुआंग शियाओ-वेन को 5-0 से हराया। इसके बाद प्रिया ने उत्तर कोरिया की वॉन उन-ग्योंग को 3-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जबकि अरुंधति ने फाइनल में कजाकिस्तान की बकित सेइडिश को 4-1 से हराकर प्रभावित

किया।

इससे पहले दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (54 किलोग्राम), अंकुशिता बोरो (65 किलोग्राम), लवलीना (75 किलोग्राम) और पूजा (80 किलोग्राम) को सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्वनाथ सुरेश (48 किलोग्राम) और सचिन सिवाच (60 किलोग्राम) शुक्रवार को पुरुष वर्ग में अपने-अपने फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है। अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे–

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा–चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी
(3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान
(5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ – त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज–खुजली, फोड़े–फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।

छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत- जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग–अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण सें पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ–सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती–सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला–पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा–मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विोष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे–धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार–बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री–रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री–रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री–रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा–3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी–कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी–यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह–सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन–मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत–आइसक्रीम में विटामिन ए, बी–2 और बी–12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से ईरान संग युद्धविराम पर की बात : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्तों के युद्धविराम पर सहमति बनी है। इजरायल ने भी इस फैसले का समर्थन किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की थी, जिसके बाद ईरान के साथ युद्धविराम ढांचे पर समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाया। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, 'राष्ट्रपति ने डील पक्की करने के लिए पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। उन्होंने युद्धविराम पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी बात की थी।' यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमलों को रोकने और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने से जुड़ी वार्ताओं के लिए दो सप्ताह का समय देने का निर्णय लिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह दो हफ्ते के लिए हमले रोक देंगे, बशर्ते ईरान इस अहम समुद्री रास्ते को पूरी तरह तुरंत और सुरक्षित तरीके से फिर से खोलने पर सहमत हो जाए। ईरान ने इस रोक को कुछ शर्तों के साथ मंजूरी दी और कहा कि अगर हमले रुक जाते हैं, तो वह भी अपनी गतिविधियां रोक देगा और इस दौरान स्ट्रेट से सीमित और सुरक्षित आवाजाही की इजाजत देगा। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि इजरायल भी दो हफ्ते की इस रोक पर सहमत हो गया है। यह अमेरिका के रुख के मुताबिक ही है, क्योंकि हालात को स्थिर करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस युद्धविराम को सैन्य अभियानों के बाद अपनाई गई एक बड़ी रणनीति का हिस्सा बताया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह अमेरिका की जीत है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और हमारी शानदार सेना ने मुमकिन बनाया है।

ट्रंप के बेटे ने यूरोपीय संघ की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने बोस्निया के दौरे के दौरान यूरोपीय संघ की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप में बहुत सारी उदार और 'वोक' नीतियां निवेश को रोक रही हैं और यह यूरोपीय संघ के पूर्वी और पश्चिमी देशों के बीच बड़े मतभेद पैदा कर रही हैं।ट्रंप जूनियर ने कहा कि पूर्वी यूरोपीय देशों में कामकाजी मानसिकता अब भी बनी हुई है, जबकि पश्चिमी यूरोप राजनीतिक मामलों में भ्रमित है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप की इस स्थिति को सुधारने का तरीका है कि वे अपने रास्ते से हटें।उनका यह दौरा बोस्निया के सेर्ब रिपब्लिका स्र्स्का क्षेत्र में हुआ, जहां के नेताओं ने लंबे समय से अमेरिकी और रूसी नेताओं का समर्थन किया है। यह दौरा वहां की सेर्ब अलगाववादी राजनीति को भी समर्थन देने वाला माना गया।

बांग्लादेश में पहली महिला स्पीकर शर्मिन चौधरी ढाका से गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश संसद की पूर्व और पहली महिला स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी को राजधानी ढाका में गिरफ्तार कर लिया गया है। चौधरी को ढाका महानगर पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने लालबाग पुलिस स्टेशन में जन आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं से संबंधित एक मामले में गिरफ्तार किया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने कहा, उन्हें गिरफ्तार कर कार्यालय लाया गया और गहन पूछताछ की जा रही है। वह कई जगहों पर छिपी हुई थीं और हाल ही में वह धानमंडी में एक रिश्तेदार के घर पर रह रही थीं।

तनाव के बीच चीन पहुंचीं ताइवान की नेता प्रतिपक्ष चेंग ली वुन

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान जलडमरूमध्य में जारी तनाव के बीच ताइवान की नेता प्रतिपक्ष चेंग ली-वुन छह दिवसीय दौर पर मंगलवार को शंघाई (चीन) पहुंचीं। वुन के साथ उनकी बीजिंग समर्थक पार्टी- चीनी कुओमिन्तांग (केएमटी) का एक प्रतिनिधिमंडल भी चीन की यात्रा पर है। इस यात्रा के दौरान वुन राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर जलडमरूमध्य में तनाव कम करने पर चर्चा करेंगी। वुन की चीन यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर है।

इस्लामाबाद वार्ता के लिए पाक जाएंगे जेडी वेंस? स्टीव विटकॉफ, जेरेड कुशनर भी होंगे साथ

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया में चल रहे भारी तनाव और संघर्ष को कम करने की दिशा में एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। बुधवार को पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान को शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद आने का न्योता दिया। यह अहम बैठक शुक्रवार, 10 अप्रैल को होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में शामिल होने के लिए ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, उनके दामाद जेरेड कुशनर और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस्लामाबाद का दौरा कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस फिलहाल हंगरी के दौरे पर हैं और उनके मौजूदा विदेशी दौरे के कार्यक्रम में इस्लामाबाद को भी शामिल किए जाने की संभावना है।

इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया को इस बड़े घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिका, ईरान और उनके सहयोगी देश मौजूदा संघर्ष के बीच तत्काल युद्धविराम के लिए तैयार हो गए हैं। प्रधानमंत्री शरीफ ने अपनी पोस्ट में लिखाः अत्यंत विनम्रता के साथ, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि

इस्लामी गणराज्य ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका, अपने सहयोगियों के साथ, लेबनान और अन्य सभी स्थानों पर तत्काल युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं, जो तुरंत प्रभाव से लागू होगा।

इस्लामाबाद वार्ता' का उद्देश्य : शहबाज शरीफ ने जानकारी दी कि पाकिस्तान ने दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) के प्रतिनिधिमंडलों को 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में आमने-सामने की बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। इस वार्ता का मुख्य लक्ष्य एक निर्णायक समझौते पर पहुंचना और दोनों देशों के बीच सभी विवादों को सुलझाना है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद वार्ता' क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अहम शांति वार्ता में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक उच्च-स्तरीय दल इस्लामाबाद जाएगा। इस दल में शामिल प्रमुख नाम हैंः जेडी वेंसः अमेरिका के उपराष्ट्रपति, स्टीव विटकॉफः राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत, जेरेड कुशनरः वाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार और राष्ट्रपति के दामाद, पाकिस्तान के सरकारी टेलीविजन ने पुष्टि की है कि अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधियों के बीच यह बातचीत आमने-सामने होगी।

ईरान की पहली पसंद बने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस : रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने ट्रंप प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया है कि वे स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ बातचीत के पक्ष में नहीं हैं। सूत्रों के हवाले से सीएनएन ने बताया कि पिछली वार्ताओं के विफल होने और उसके बाद अमेरिका-इजरायल द्वारा की गई सैन्य कार्रवाइयों के कारण ईरान में इन दोनों अमेरिकी अधिकारियों के प्रति विश्वास की भारी कमी है।

इसके विपरीत, ईरान का मानना है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस युद्ध को समाप्त करने के प्रति अधिक सहानुभूति रखते हैं। वेंस के कूटनीतिक रुख को देखते हुए ईरान को लगता है कि उनके नेतृत्व में होने वाली बातचीत अधिक फलदायी और संघर्ष को निर्णायक रूप से खत्म करने वाली साबित हो सकती है।

इससे पहले, फरवरी 2026 में जेनेवा में ओमान की मध्यस्थता में विटकॉफ और कुशनर ने ईरान के साथ अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता की थी। उस समय प्रगति हुई थी, लेकिन उसके दो दिन बाद अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमले कर दिए और सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई नेताओं की हत्या कर दी, जिससे युद्ध शुरू हो गया। ईरान ने इसे धोखा माना और विटकॉफ व कुशनर के साथ आगे बातचीत से इनकार कर दिया।

ईरान को पाई पाई चुकाएगा अमेरिका, जो नुकसान किया उसका देगा मुआवजा

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम का ऐलान हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान से मिले 10 बिंदु बातचीत आगे बढ़ाने का आधार हैं। खबर है कि इसमें ईरान ने एक शर्त यह भी रखी है कि उसे हुए नुकसान का मुआवजा भी दिया जाएगा। सबसे बड़ी राहत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का खुलना मानी जा रही है, जिसपर दुनिया का तेल वितरण टिका हुआ था। सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, जिसमें लेबनान के 'इस्लामिक रेजिस्टेंस' के खिलाफ युद्ध भी शामिल है। ट्रंप ने लिखा, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर से हुई बातचीत के आधार पर, जिसमें उन्होंने मुझसे ईरान पर आज रात होने वाले विनाशकारी हमले को रोकने का अनुरोध किया था। साथ ही ईरान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरा, तत्काल और सुरक्षित तरीके से खोलने के मद्देनजर मैं दो सप्ताह के लिए ईरान पर दो हफ्ते के लिए बमबारी और हमले रोकने के लिए तैयार हो गया हूं।' ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच पिछले विवाद के लगभग सभी बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है, लेकिन दो हफ्तों का संघर्ष विराम समझौते को अंतिम रूप देने और लागू करने में मदद करेगा।' पाकिस्तान ने बुधवार को अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद में वार्ता के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान ने तत्काल संघर्षविराम पर सहमति जताई है। शरीफ ने बताया कि पाकिस्तान ने दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में आमने-सामने बातचीत के लिए आमंत्रित किया है, ताकि 'सभी विवादों का समाधान' निकाला जा सके। एपी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि चीन ने ईरान के नेताओं से बातचीत करके उन्हें अमेरिका से युद्धविराम का रास्ता तलाशने के लिए राजी करने की कोशिश की। दो अधिकारियों ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा कि बातचीत के दौरान चीनी अधिकारी ईरानी अधिकारियों के संपर्क में थे।

ऑस्ट्रेलिया में पूर्व सैनिक पर युद्ध अपराध का केस दर्ज

डरबन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में एक और पूर्व सैनिक पर युद्ध अपराध का केस दर्ज किया गया है। उस पर आरोप है कि उसने 2009 से 2012 के बीच अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान पांच निहत्थे नागरिकों की हत्या की थी। पुलिस ने अभी तक आरोपी के नाम की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उसे जल्द ही सिडनी की एक अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। 47 वर्षीय यह सैनिक अफगानिस्तान अभियान में शामिल होने वाला दूसरा ऑस्ट्रेलियाई पूर्व सैनिक है, जिस पर युद्ध अपराध का आरोप लगा है।

वकील से मिल सकेंगे इमरान खान इस्लामाबाद हाईकोर्ट का आदेश

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अल-कादरी ट्रस्ट मामले में जल्द ही अपने वकील से मिल सकेंगे। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को अधिकारियों को आदेश दिया कि वे खान और उनके अधिवक्ता की मुलाकात का इंतजाम करें। दरअसल, सुनवाई के दौरान अधिवक्ता सलमान सफदर ने कहा कि उन्हें अपने मुवक्किल (खान) से केस के सिलसिले में परामर्श करने की जरूरत है। इस पर मुख्य न्यायाधीश सरफराज डोगर और न्यायमूर्ति मोहम्मद आसिफ की पीठ ने उन्हें इजाजत दे दी।

लेबनान पर लागू नहीं होगा युद्धविराम, शहबाज शरीफ के दावों को नेतन्याहू ने किया खारिज

येरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए कूटनीति का रास्ता खुल चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ हमलों को रोकने के साथ बातचीत के लिए दो सप्ताह के युद्धविराम का एलान किया है। इस्राइल ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले का समर्थन किया है। हालांकि, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ किया है कि यह युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। नेतन्याहू के बयान ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस दावे की पोल खोल दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह युद्धविराम ईरान के साथ ही लेबनान पर भी लागू होगा।

लेबनान पर लागू नहीं होगा युद्धविराम : नेतन्याहू : इस्राइली पीएम ने आगे कहा, ''अमेरिका ने इस्राइल को बताया है कि वह आगामी वार्ता में अमेरिका, इस्राइल और पश्चिम एशिया के क्षेत्रीय सहयोगियों द्वारा साझा किए गए इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। दो सप्ताह का यह युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। तुरंत होर्मुज खोले ईरान :इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान के खिलाफ दो सप्ताह के लिए हमले निलंबित करने के फैसले का समर्थन करता है, बशर्ते ईरान तुरंत जलडमरूमध्य खोल दे। उन्होंने कहा कि अमेरिका, इस्राइल और क्षेत्र के देशों पर सभी हमले बंद कर दे। उन्होंने कहा कि इस्राइल, अमेरिका द्वारा यह सुनिश्चित करने के प्रयासों का भी समर्थन करता है कि ईरान अब अमेरिका, इस्राइल, ईरान के अरब पड़ोसियों और दुनिया के लिए परमाणु, मिसाइल और आतंकवादी खतरा न बने। शहबाज शरीफ ने किया था क्या दावा? पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा करते हुए कहा था कि ईरान और अमेरिका, अपने सहयोगियों सहित लेबनान और अन्य सभी क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस दूरदर्शी कदम का स्वागत करता हूं और दोनों देशों के नेतृत्व के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। शरीफ ने कहा,''मैं दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 को इस्लामाबाद में सभी विवादों के समाधान के लिए एक निर्णायक समझौते पर आगे की बातचीत के लिए आमंत्रित करता हूं। दोनों पक्षों ने उल्लेखनीय बुद्धिमत्ता और सूझबूझ का प्रदर्शन किया है और शांति एवं स्थिरता के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में रचनात्मक रूप से लगे रहे हैं।

सीजफायर को बाद तेहरान में जश्न का माहौल, खुशी से झूम रही ईरानी अवाम

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट के लिए आज की सुबह एक बड़ी राहत लेकर आई है. अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण जंग पर 40 दिनों के बाद सीजफायर हो गया है. दोनों देशों ने आधिकारिक तौर पर दो हफ्तों के सीजफायर यानी युद्धविराम की घोषणा कर दी है. इस खबर के आते ही तेहरान में लोग इसे अपनी बड़ी जीत मानकर ढोल-नगाड़ों के साथ खुशियां मना रहे हैं.वहीं ईरान से सटे इराक में भी लोग जश्न में डुबे हैं. बगदाद के तहरीर स्क्वायर पर इराकियों का हुजूम जश्न मनाने सड़कों पर उतर आया है.

ईरान की तरफ से दावा किया जा रहा है कि यह अमेरिकी-इजरायली ताकतों के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक जीत है. भारत में मौजूद ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्क' पर इस जीत का संदेश साझा किया है. हालांकि,

दूसरी तरफ वाशिंगटन की तस्वीर बिल्कुल अलग है. ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिका की जीत बता रहे हैं.

पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुआ सीजफायर : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस पूरे घटनाक्रम की बारीकियों को साझा किया है. ट्रंप ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ लंबी बातचीत की. ट्रंप के मुताबिक, पाकिस्तान ने अमेरिका से गुजारिश की थी कि ईरान पर होने वाले उस भीषण हमले को फिलहाल टाल दिया जाए, जो आज रात ही अंजाम दिया जाना था. इसके बाद ट्रंप ने ईरान के सामने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को तुरंत और सुरक्षित तरीके से खोलने की शर्त रखी. ईरान के राजी होने के बाद अब दो हफ्तों के लिए बमबारी और हमले रोक दिए गए हैं. 'हमने 38 दिनों में पूरा किया अपना मिशन' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस युद्धविराम को राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी सेना की एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है. उन्होंने कहा कि युद्ध की शुरुआत में ट्रंप ने अनुमान लगाया था कि यह जंग चार से छह हफ्ते चलेगी और ठीक 38वें दिन अमेरिका ने अपने मुख्य सैन्य उद्देश्यों को न केवल हासिल किया, बल्कि उनसे आगे निकल गया. अब वाशिंगटन का ध्यान 'दीर्घकालिक शांति' की ओर है. क्या अब हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी ईरान अमेरिका की दुश्मनी? युद्धविराम की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी वह '10 सूत्रीय प्रस्ताव' है जो ईरान की तरफ से अमेरिका को भेजा गया है. राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि पुराने विवादों के लगभग सभी बिंदुओं पर दोनों देशों के बीच सहमति बन चुकी है।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने डोनाल्ड ट्रंप से की मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इन दिनों अमेरिका में हैं। मंगलवार रात उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका-भारत संबंधों पर चर्चा की।

गोर ने मुलाकात को बताया यादगार : सर्जियो गोर ने इस मुलाकात को बहुत यादगार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रात्रिभोज का अनुभव शानदार रहा। हमने वैश्विक स्थिरता लाने के उनके अटूट संकल्प, उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की ऐतिहासिक उपलब्धियों, भारत-अमेरिका संबंधों के उज्ज्वल भविष्य और कई अन्य विषयों पर चर्चा की! इतिहास को अपनी आंखों के सामने घटते हुए देखना एक बेहद यादगार शाम थी'

वाणिज्य सचिव से हुई भी मुलाकात : इससे पहले सर्जियो गोर ने अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक से भी मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने के रोडमैप पर बात हुई। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक नए समझौते पर चर्चा की। इसके अलावा, भारतीय दवा कंपनियों के अमेरिका में निवेश को लेकर भी बातचीत हुई। इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और सामान की सप्लाई चेन मजबूत होगी। गोर ने भारतीय कंपनियों को आने वाले समिट में

हिस्सा लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

गोर काश पटेल की तारीफ की : सर्जियो गोर ने एफबीआई के निदेशक काश पटेल से भी मुलाकात की। उन्होंने साइबर अपराध, नशीली दवाओं की तस्करी और अवैध नेटवर्क जैसे अंतरराष्ट्रीय खतरों से निपटने के लिए आपसी सहयोग पर चर्चा की। गोर ने सुरक्षा के मामले में काश पटेल के काम की सराहना की। उन्होंने बताया कि काश पटेल के नेतृत्व में अमेरिका में कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है। साल 2025 में हिंसक अपराधों में गिरफ्तारियां 112 प्रतिशत बढ़ी हैं, जबकि हत्या और लूटपाट की घटनाओं में 20 प्रतिशत की कमी आई है।

सर्जियो गोर ने जेडी वेंस से भी की मुलाकात : अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान सर्जियो गोर ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से भी मुलाकात की। उन्होंने वेंस के साथ भारत और अमेरिका के संबंधों को और बेहतर बनाने पर विचार-विमर्श किया। राजदूत की इन मुलाकातों से साफ है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच सहयोग और गहरा होगा।

ईरान से सीजफायर कर घर में ही घिरे डोनाल्ड ट्रंप, कट्टर समर्थक हो गए नाराज

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को तबाह करने की धमकी देने के बाद अब सीजफायर का ऐलान कर दिया है। इस युद्धविराम के तहत अमेरिका ईरान पर अपने हमले रोक देगा। वहीं दूसरी तरफ ईरान ने कहा है कि उसने दो हफ्ते के लिए सीजफायर पर सहमति जरूर जताई है, लेकिन युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। ऐसे में युद्धविराम को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। इस बीच सीजफायर के ऐलान के बाद डोनाल्ड ट्रंप घर में ही घिर गए हैं। उनके समर्थकों ने खुलकर ट्रंप के इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। रिपब्लिकन पार्टी आपस में भी बंट गई है।

बुधवार को ट्रंप की नीतियों की बड़ी समर्थक रहीं लारा लूमर ने कहा कि इस युद्धविराम से अमेरिका के लिए जीत जैसा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से अमेरिका को कुछ हासिल नहीं हुआ और ईरान के लोग जश्न मना रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'हमें इससे असल में कुछ भी हासिल नहीं हुआ और ईरान में आतंकवादी जश्न मना रहे हैं।

क्या बोलीं लारा लूमर : लारा लूमर ने आगे लिखा, 'मुझे नहीं पता कि लोग ऐसा क्यों बर्ताव कर रहे हैं जैसे यह कोई जीत हो। मुसलमान, वोक राइख और ट्रंप से नफरत करने वाले इस 'समझौते' का इस्तेमाल राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला करने के लिए कर रहे हैं। वे टकर कार्लसन के सहयोगियों की तारीफ कर रहे हैं और राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ 25वें संशोधन का इस्तेमाल करने की मांग कर रहे हैं। यह सीजफायर नाकाम होगा।' लारा लूमर ने कहा कि ट्रंप सही साबित होंगे कि ईरानी शासन को जड़ से मिटाने की जरूरत है, लेकिन फिलहाल ट्रंप गुमराह हो चुके हैं।

समीक्षा की मांग : दूसरी तरफ सीनेटर रिक स्कॉट ने इस युद्धविराम को सही दिशा में उठाया गया कदम बताया। उनका कहना है कि ट्रंप की यह नीति दर्शाती है कि मजबूत नेतृत्व के जरिए शांति की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है, न कि कमजोर नीतियों के जरिए। वहीं रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने इस पूरे मामले को लेकर सावधानी बरतने की बात कही। उन्होंने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि क्या सच है और क्या गलत, इसलिए इस समझौते की गहराई से समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जैसे पहले ईरान से जुड़े समझौतों की जांच की गई थी, वैसे ही इस बार भी संसदीय समीक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि हर पहलू को ठीक से समझा जा सके।

ट्रंप ने किया था ऐलान : इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार देर रात ईरान पर बड़े हमलों की अपनी धमकी से पीछे हटते हुए युद्धविराम की घोषणा की। ट्रंप को तेहरान को समझौते के लिए दी गई तय समयसीमा खत्म होने से लगभग दो घंटे पहले यह ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान दो सप्ताह के संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं, और इस वजह से वह ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों पर हमले की अपनी योजना फिलहाल टाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष विराम में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना भी शामिल है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने कहा है कि उसने संघर्षविराम को स्वीकार कर लिया है और वह शुक्रवार से पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका से बातचीत करेगा। हालांकि, ना तो ईरान और न ही अमेरिका ने यह बताया कि संघर्षविराम कब से लागू होगा। ईरान ने युद्धविराम के लिए एक 10 सूत्री संघर्षविराम योजना भी जारी की है। इस बीच बुधवार सुबह इजरायल, ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हमले जारी रहे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावः सुबह 11 बजे तक उत्साहजनक मतदान

असम में सबसे अधिक 38फीसद तो पुडुचेरी में 37 प्रतिशत और केरल में 32 प्रतिशत हुआ मतदान

नई दिल्ली ।

असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में आज एक चरण में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। सुबह 11 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार असम में सबसे अधिक मतदान हुआ है, जहां 38.92 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पुडुचेरी में 37 प्रतिशत से अधिक और केरल में 32.78 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।चुनाव आयोग के अनुसार असम में 126 सीटों पर 722 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करने के लिए 31,940 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए 1.5 लाख से अधिक सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। संवेदनशील मतदान केंद्रों की निगरानी के लिए विशेष माइक्रो-ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं।

इस बार चुनाव मुख्य रूप से सत्ताधारी दल और विपक्ष के बीच कड़ा मुकाबला दिखा रहा है। मतदाता बड़ी संख्या में अपने भविष्य के जनप्रतिनिधियों को चुनने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं।

केरल में मुकाबला तीन मोर्चों पर

केरल की 140 सीटों पर एक ही चरण में मतदान हो रहा है, जिसमें 883 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यहाँ राजनीतिक लड़ाई तीन मोर्चों पर केंद्रित है- एलडीएफ सत्ता में तीसरी बार वापसी की कोशिश कर रहा है, यूडीएफ अपनी खोई जमीन को वापस पाने का प्रयास कर रहा है, जबकि एनडीए राज्य में अपना पहला चुनावी खाता खोलने की उम्मीद लगाए बैठा है।

पुडुचेरी में उत्साहजनक मतदान

केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में 9.50 लाख मतदाता 294 उम्मीदवारों की किस्मत तय करेंगे। यहाँ भी सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारें लगी हैं और मतदाता उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने सुबह 11 बजे तक के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित है। मतदान शाम 5 बजे तक जारी रहेगा और सभी राज्यों में सुरक्षा व निगरानी का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मौसम का बदला मिजाजः 13 राज्यों में भारी बारिश, ओला और आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली ।

अप्रैल के महीने में देश भर में मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। जहां इस समय चिलचिलाती धूप और लू का प्रकोप होता था, वहीं इस बार दिल्ली-एनसीआर से लेकर कोलकाता और भोपाल से लेकर जयपुर तक आसमान में बादलों का डेरा है। तेज हवाएं, भारी बारिश और ओलावृष्टि ने न केवल तापमान को गिरा दिया है, बल्कि एक बड़े मौसमी बदलाव की ओर इशारा किया है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए देश के 13 राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्तमान में कोई एक चक्रवाती तूफान सक्रिय नहीं है, बल्कि कई मौसमी प्रणालियां एक साथ काम कर रही हैं। उत्तर-पश्चिम से आ रहे सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली समुद्री नमी के आपस में टकराने से वातावरण में भारी अस्थिरता पैदा हो गई है। इसी टकराव के कारण अचानक गरज-चमक के साथ आंधी और बारिश जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं। 11 अप्रैल के आसपास एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाला है, जो मौजूदा स्थिति को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकता है। देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में 10 और 11 अप्रैल को 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, उत्तर प्रदेश के आगरा, अलीगढ़ और मथुरा जैसे क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली आंधी और ओलावृष्टि ने जनजीवन प्रभावित किया है। बिजली गिरने की बढ़ती घटनाओं ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं। बिहार में अगले 72 घंटे बेहद अहम माने जा रहे हैं, जहां दरभंगा और मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में वज्रपात का खतरा बना हुआ है। मध्य भारत और राजस्थान में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर साफ दिख रहा है। मध्य प्रदेश के भोपाल और ग्वालियर संभागों में धूल भरी आंधी के साथ बारिश का दौर जारी है। राजस्थान के जयपुर और बीकानेर में अगले 24 घंटों के लिए ओलावृष्टि का अलर्ट है। हालांकि तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट से आम जनता को गर्मी से राहत मिली है, लेकिन यह बदलाव किसानों के लिए आफत बनकर आया है। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं और रबी की अन्य फसलें ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण बिछ गई हैं, जिससे भारी नुकसान की आशंका है। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी और बारिश के कारण भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है, जबकि पूर्वोत्तर भारत के असम और मेघालय में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं ने सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और बिजली के खंभों या पेड़ों के नीचे शरण न लें। आने वाले तीन से चार दिन देश के बड़े हिस्से के लिए मौसम के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील रहने वाले हैं।

असम चुनाव में बढ़े करोड़पति उम्मीदवार, क्रिमिनल केस में गिरावट

इस साल कुल 722 उम्मीदवारों में से 102 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज

कोलकाता ।

असम विधानसभा चुनाव 2026 में उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि पर नई रिपोर्ट सामने आई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार, इस बार उम्मीदवारों में आपराधिक मामलों में मामूली कमी आई है, लेकिन करोड़पति उम्मीदवारों की संख्या और उनकी औसत संपत्ति में तेज़ी से वृद्धि हुई है।

इस साल कुल 722 उम्मीदवारों में से 102 उम्मीदवारों (14 फीसदी) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 2021 में यह प्रतिशत 15 फीसदी था। गंभीर आपराधिक आरोप वाले उम्मीदवारों की संख्या भी 82 (11 फीसदी) है, जो पांच साल पहले के 12 फीसदी से कम है। असम के 126 निर्वाचन क्षेत्रों में केवल 8 सीटें ही रेड अलर्ट वाली हैं, यानी ऐसे क्षेत्र जहाँ तीन या अधिक उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले चल रहे हैं।

चुनाव में धनबल का बढ़ता प्रभाव साफ दिखाई दे रहा है। करोड़पति उम्मीदवारों का अनुपात इस बार 39 फीसदी है, जो 2021 के 28 फीसदी से काफी अधिक है। उम्मीदवारों की औसत संपत्ति बढ़कर लगभग 3.25 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि कुल घोषित संपत्ति लगभग 2,352 करोड़ रुपये है। उम्मीदवारों की आयु संरचना अधिकतर स्थिर है।

जयशंकर से मिले बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा- शेख हसीना को वापस भेजो

नई दिल्ली ।

भारत और बांग्लादेश के बीच बीते साल उपजे कूटनीतिक तनाव के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में सुधार की नई कवायद शुरू हो गई है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बांग्लादेश के नवनियुक्त विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर भारत पहुंचे हैं। बुधवार को नई दिल्ली में उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की। इस यात्रा को ढाका की नई सरकार द्वारा भारत के साथ पारस्परिक विश्वास और सम्मान के आधार पर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।बैठक के केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का मुद्दा रहा। बांग्लादेश द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री रहमान ने शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के प्रत्यर्पण का अनुरोध दोहराया। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस विशिष्ट मुद्दे का कोई उल्लेख नहीं किया गया, जो इस विषय पर भारत की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

गौरतलब है कि अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और हिंसक प्रदर्शनों के बाद से शेख हसीना ने भारत में शरण ली हुई है, जबकि बांग्लादेश के

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है। इन मतभेदों के बावजूद, दोनों पक्षों के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि शेख हसीना की उपस्थिति द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य में बाधा नहीं बननी चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उपायों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और सहयोग के नए मार्ग प्रशस्त करने का इच्छुक है।

अमरेली में फिर थर्राई धरती- लगातार दूसरे दिन भूकंप के झटकों से दहशत

खांभा और गिर क्षेत्र में रातभर महसूस हुए 6 झटके, लोग घर छोड़ खुले मैदान में सोने को मजबूर

अहमदाबाद ।

गुजरात के अमरेली जिले में इन दिनों प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। शांत रात के दौरान अचानक धरती के भीतर हुई हलचल ने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया। खांभा और गीर पंथक में एक के बाद एक कुल छह भूकंपीय झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल फैल गया है। लगातार दूसरे दिन आए इन झटकों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। डर के कारण कई परिवार अपने पक्के मकान छोड़कर खुले मैदानों में रात बिताने को मजबूर हो गए हैं। भूकंप का केंद्र खांभा क्षेत्र बताया जा रहा है, जहां इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। खांभा के अलावा नानी धारी, नाना विसावदर, नानुडी, भाड़, तातणिया और उमरिया जैसे आसपास के गांवों में भी धरती कांपने से लोग दहशत में आ गए। रात के सन्नाटे में अचानक आए इन झटकों ने ग्रामीणों को स्तब्ध कर दिया। गांधीनगर स्थित सिस्मोलॉजी विभाग ने इस घटना की पुष्टि की है। विभाग के अनुसार, रात 1÷14 बजे सबसे तेज झटका दर्ज किया गया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.0 मापी गई। इस झटके की तीव्रता इतनी थी कि घरों में रखी वस्तुएं तक हिलने लगीं। हालांकि, अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन बार-बार आ रहे झटकों और जमीन से आती आवाजों के कारण लोग बेहद डरे हुए हैं। खासकर बच्चे और बुजुर्गों में भय साफ देखा जा रहा है। भूवैज्ञानिक इन झटकों को क्षेत्र की स्थानीय फॉल्ट लाइन से जोड़कर देख रहे हैं। प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के दौरान 'नीला' रोबोट ने मतदाताओं का किया स्वागत

वीओसी सरकारी स्कूल पोलिंग स्टेशन पर मतदाता साड़ी और उत्साह के बीच वोट देने पहुंचे

पुडुचेरी में वोटिंग के दौरान दिखा अद्भुत नजारा, साड़ी पहने रोबोट नीला ने मतदाताओं का किया स्वागत

नई दिल्ली ।

पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 में टेक्नोलॉजी का नया रंग देखने को मिला। वीओसी सरकारी स्कूल पोलिंग स्टेशन पर मतदाता साड़ी और उत्साह के बीच वोट देने पहुंचे, तभी उनका स्वागत 'नीला' नाम के रोबोट ने किया। यह रोबोट मतदाताओं को मार्गदर्शन देने और मतदान प्रक्रिया को इंटरैक्टिव बनाने के लिए तैनात किया गया।

नीला एक इवेंट-बेस्ड रोबोट है, जिसे शादियों, सरकारी कार्यक्रमों और चुनाव जैसे आयोजनों के लिए डिजाइन किया गया है। रोबोट में वॉइस फीचर भी है, जो अपने आसपास खड़े लोगों के लिए संवाद कर सकती है। नीला मतदाताओं का स्वागत करते हुए उन्हें मतदान प्रक्रिया और स्टेशनों की जानकारी देता रहा।

नीला रोबोट अंग्रेजी और तमिल दोनों भाषाओं में संवाद कर सकता है। इसकी उपस्थिति ने मतदाताओं का ध्यान खींचा और मतदान केंद्र पर उत्साह बढ़ाया।

कौशिक ने कहा, इस रोबोट को विभिन्न सार्वजनिक वातावरणों में जुड़ाव बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

इसे कमांड के जरिए नियंत्रित किया जा सकता है और यह आसपास खड़े लोगों के लिए संवाद कर सकती है।

इस दिन पुडुचेरी, केरल और असम में सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ।

यह चरण विधानसभा चुनावों में अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। पुडुचेरी के पोलिंग स्टेशनों में नीला रोबोट ने दिखाया कि कैसे टेक्नोलॉजी मतदान प्रक्रिया को सहज, आकर्षक और इंटरैक्टिव बना सकती है।

यूपी में रिटायर्ड अधिकारी के घर बाथरुम से लेकर बेडरुम तकः नोट ही नोट, चौतरफा बिछी मिली करंसी

कानपुर ।

विजिलेंस विभाग की कानपुर यूनिट ने वाणिज्य कर विभाग के सेवानिवृत्त एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई उनकी सेवा अवधि के दौरान ज्ञात कानूनी स्रोतों से प्राप्त आय की तुलना में किए गए भारी-भरकम निवेश और बेतहाशा खर्चों के प्रमाण मिलने के बाद की गई है। अगस्त 2023 से चल रही विस्तृत जांच में उनकी कुल संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान लगाया गया है, जिसके बाद शासन से अनुमति मिलते ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। रिटायर्ड अधिकारी के घर बाथरुम से लेकर बेडरुम में मिले नोट ही नोट, चौतरफा बिछी थी करंसी

केशव लाल की काली कमाई का खुलासा सबसे पहले साल 2017 में हुआ था, जब वे कानपुर में तैनात थे। उस दौरान आयकर विभाग ने उनके नोएडा

सेक्टर-34 स्थित आवास पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दृश्य बेहद चौंकाने वाले थे; अधिकारियों को उनके घर से 10 करोड़ रुपये की नकदी और करीब 3 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण मिले थे। छापेमारी के दौरान नोटों की गड्डियां किसी साधारण जगह नहीं, बल्कि पूजा घर, अलमारियों, बिस्तर के गद्दों और यहां तक कि बाथरूम के फ्लश टैंक के भीतर छिपाकर रखी गई थीं। उस समय वह इस विशाल धनराशि का कोई संतोषजनक स्रोत बताने में पूरी तरह विफल रहे थे। जांच रिपोर्ट के आंकड़े उनकी अवैध कमाई की पुष्टि करते हैं। केशव लाल की पूरे करियर के दौरान वैध स्रोतों से कुल आय मात्र 1.34 करोड़ रुपये आंकी गई थी। इसके विपरीत, उनके द्वारा किया गया खर्च और निवेश 18.27 करोड़ रुपये से अधिक पाया गया। स्पष्ट है कि उन्होंने अपनी वास्तविक आय से लगभग 17.26 करोड़ रुपये अधिक खर्च किए। इसी भ्रष्टाचार और 100 करोड़ की संदिग्ध संपत्ति को आधार बनाकर सरकार ने उन्हें साल 2017 में ही अनिवार्य सेवानिवृत्ति (जबरन रिटायर) दे दी थी, और अब कानूनी कार्रवाई ने रफ्तार पकड़ ली है। विजिलेंस की लंबी जांच में यह भी सामने आया है कि केशव लाल ने अपने गृह जनपद चंदौली सहित उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख शहरों में करोड़ों रुपये का निवेश किया है।

सीआरपीएफ 'शौर्य दिवस पर अमित शाह और डीजी ने किया उन वीर जवानों को याद

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सीआरपीएफ 'शौर्य दिवस' के मौके पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देश की रक्षा में उनके अदम्य साहस और बलिदान को याद कर 1965 के कच्छ के रण में 'सरदार पोस्ट' की ऐतिहासिक लड़ाई को याद किया।

क्या थी घटना

9 अप्रैल 1965 को, कच्छ के सुनसान रण में करीब 150 सीआरपीएफ जवान पाकिस्तान की 3500 सैनिकों वाली इंफैंट्री ब्रिगेड के हमले का सामना कर रहे थे। संख्या में कम होने के बावजूद, जवान चट्टान की तरह डटे रहे और दुश्मन की घुसपैठ को रोकने में सफल रहे। इस वीरता के कारण 34 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जिसमें दो अधिकारी भी शामिल थे, जबकि चार को युद्धबंदी बनाया गया। सैनिकों की इस वीरता के कारण पोस्ट पर दुश्मन का कब्जा नहीं हो सका।

सीआरपीएफ के वे वीर जनाव थे......नायक किशोर सिंह, कांस्टेबल किशन सिंह, कांस्टेबल ज्ञान चंद, कांस्टेबल हुड्डू राम, कांस्टेबल शमशेर सिंह और कांस्टेबल सिंधवीर प्रधान। इन 6 जवानों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, ÷1965 में इसी दिन सीआरपीएफ के निडर योद्धा 'सरदार पोस्ट' पर एक अभेद्य दीवार की तरह डटकर खड़े हुए। उन्होंने दुश्मन के आगे बढ़ने के प्रयासों को कुचलकर देश के इतिहास में बहादुरी का गौरवशाली अध्याय लिखा। उन्होंने

शौर्य दिवस पर जवानों की बहादुरी को याद कर उन्हें सलाम किया।

सीआरपीएफ ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर वीर जवानों की याद में कहा, ÷आज हम बहादुरों में सबसे बहादुर को सम्मान देते हैं। ▯शौर्य दिवस पर डीजी और सीआरपीएफ के सभी रैंक हमारे नायकों के अदम्य साहस को सलाम करते हैं।÷

'सरदार पोस्ट' की यह लड़ाई न केवल सीआरपीएफ के साहस की मिसाल है, बल्कि यह देश की रक्षा के प्रति बलिदान और समर्पण का प्रतीक भी है। 9 अप्रैल हर साल ▯शौर्य दिवस के रूप में याद किया जाता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उन वीर जवानों की वीरता और बलिदान को हमेशा याद रखें। इस ऐतिहासिक मौके पर देशभर के नागरिकों और सुरक्षा बलों ने उन रणबांकुरों को सलाम किया, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी मातृभूमि की रक्षा की।

नीतीश कुमार आज राज्यसभा सदस्य के तौर पर लेंगे शपथ, पर सीएम पद से कब देंगे इस्तीफा....?

बिहार में नई सरकार के गठन पर आया लेटेस्ट अपडेट

नई दिल्ली ।

बिहार की राजनीति में इन दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भविष्य और राज्य में नई सरकार के स्वरूप को लेकर गहन चर्चा चल रही है। नीतीश कुमार के दिल्ली पहुंचकर शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के साथ ही यह अटकलें तेज हो गई हैं कि वे मुख्यमंत्री के पद से कब इस्तीफा देंगे और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नई सरकार कब तक आकार लेगी? अब इस संबंध में संभावित तारीखें लगभग फाइनल हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जेडीयू नेता विजय चौधरी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि नई सरकार का नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) करेगी।

हालांकि, मुख्यमंत्री के चेहरे पर अभी मुहर नहीं लगी है, लेकिन सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए सम्राट चौधरी का नाम प्रमुखता से चर्चा में है।

ऐसे में कहा जा रहा है, नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद के रूप में विधिवत शपथ ग्रहण करने के बाद भी कुछ दिनों तक बिहार के मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 14 अप्रैल को नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से स्वेच्छा से इस्तीफा दे देंगे।

दिल्ली से लौटने के बाद, 13 अप्रैल को नीतीश कैबिनेट की अंतिम बैठक होने की चर्चा है, जिसके अगले दिन 14 अप्रैल को वे राज्यपाल को अपना त्यागपत्र सौंप सकते हैं।

इसके बाद, 15 अप्रैल को नई सरकार के नए मुखिया और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह होने की संभावना है।

नई सरकार की रूपरेखा अंतिम दौर में है, और कहा जा रहा है कि इसके गठन में नीतीश कुमार की इच्छा और योजनाओं को प्रमुखता

दी जाएगी।

दरअसल, एनडीए ने पिछले चुनाव में 25 से 30, फिर से नीतीश के नारे पर बहुमत प्राप्त किया था। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबर होली के दौरान सामने आई थी, जब लोग रंगों में डूबे थे।

इस खबर के बाद अगले ही दिन पटना में जेडीयू कार्यालय के बाहर बवाल मच गया था, जिससे पार्टी पर दबाव बढ़ा।